MPHIN/2021/83938

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियर: वर्ष:4 : अंक:16 | ग्वालियर, शनिवार 28, सितंबर 2024 | पृष्ठ: 8 मूल्य: 2 रुपए

सागर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में पहुंचे सीएम मोहन यादव, उद्योगपतियों से होगी वन टू वन चर्चा

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में देश के पांच दर्जन से ज्यादा बड़े उद्योगपति शामिल हुए हैं. इसमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव

उद्योगपतियों से वन टू वन चर्चा करेंगे. यहां भी बड़े निवेश को लेकर दावे किए जा रहे हैं.उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर के बाद सागर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज किया. यह आयोजन जवाहरलाल नेहरू पुलिस अकादमी ग्राउंड पर आयोजित किया गया है, जिसकी तैयारी में जनप्रतिनिधियों ने दो हफ्ते से अधिक का वक्त लगाया है.इस आयोजन में देश-विदेश के साढ़े चार हजार से ज्यादा उद्योगपतियों ने अपना पंजीयन कराया है, जिनमें 60 बड़े उद्योगपति भी शामिल है. कार्यक्रम को लेकर केवल पीटीसी ग्राउंड ही नहीं बल्कि संभागीय मुख्यालय सागर शहर में बड़े पैमाने पर सजावट की गई है.वैसे तो इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में उद्योगपतियों की मंशा के अनुरूप निवेश की संभावना रहती है, मगर सरकार की ओर से कुटीर उद्योग पर्यटन, खनिज, फूड प्रोसेसिंग टेक्सटाइल, आईटी के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है. इस आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव उद्योगपतियों से अलग-अलग टेबल पर चर्चा करेंगे.रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में आयोजन के पास मध्य प्रदेश की डॉक्टर मोहन यादव सरकार निवेश प्रस्ताव की घोषणा की. इस आयोजन में प्रदेश सरकार के कई मंत्री भी शामिल हुए. आयोजन के दौरान उद्योग के लिए आवंटित भूमि और कार्यालय का वर्चुअल उद्घाटन भी किया गया.

विदिशा में 10 करोड़ की 79 हेक्टेयर सरकारी जमीन कब्जा मुक्त, फेंसिंग लगाकर 12 वर्षों से हो रही थी खेती

मध्य प्रदेश में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने कड़े तेवर अपना लिये हैं. दबंगों के कब्जे से सरकारी भूमि को मुक्त कराया जा रहा है. विदिशा जिले में भी करोड़ों की सरकारी गोचर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है. मामला शमशाबाद के लाडपुर इलाके का है. कलेक्टर रोशन कुमार सिंह को सूचना मिली थी कि लाडपुर में दबंगों ने सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा है. उन्होंने शिकायत की जांच करवाई. जांच में पता चला कि वर्षों से सरकारी जमीन पर खेती की जा रही है. खेती के लिए दबंगों ने तार फेंसिंग भी करवा ली थी.कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के आदेश पर दबंगों को जमीन खाली करने का नोटिस भेजा गया. अतिक्रमणकारी जमीन छोड़ने के बजाय खेती में लगे रहे. प्रशासन की नोटिस को हल्के में लिये जाने पर शासकीय चरनोई भूमि को कब्जा मुक्त कराने का आदेश पारित हुआ. कलेक्टर के आदेश पर प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर जमीन को कब्जा मुक्त करा लिया. जमीन पर उगाई गई फसल को भी ट्रैक्टर और जेसीबी चलाकर नष्ट कर दिया गया.

सरकारी गोचर भूमि से हटा अवैध कब्जा–जमीन की कीमत लगभग 10 करोड़ रुपये बताई जा रही है. एसडीएम अजय पटेल ने बताया कि कब्जा करने वालों की संख्या 50 के आसपास थी. प्रशासन की तरफ से 24 लोगों को नोटिस भी जारी किए गए थे.

कलेक्टर के आदेश पर 10 करोड़ की 79 हेक्टेयर सरकारी जमीन पर जेसीबी चलाकर कब्जा मुक्त करा लिया गया. कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी संख्या में पुलिस भी मौजूद रही. एसडीएम अजय पटेल ने बताया कि सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाकर नोटिस बोर्ड लगा दिये गये है.

पुलिस बल की वजह से नहीं हुआ विरोध–नोटिस बोर्ड के जरिये अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी गयी है. अतिक्रमण हटाने के लिए डेढ़ सौ से ज्यादा पुलिसकर्मी और राजस्व विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे थे. इतनी बड़ी संख्या में पुलिस को देखकर लोगों ने विरोध भी नहीं किया. अतिक्रमणकारी खड़ी फसल को ट्रैक्टर और जेसीबी के जरिये नष्ट होते देखते रह गये. ग्रामीणों को फसल काटने तक की भी मोहलत नहीं दी गयी. अधिकारियों ने ग्रामीणों की मांग को नकार दिया. सागर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में पहुंचे सीएम मोहन यादव, उद्योगपतियों से होगी वन टू वन चर्चा

इंदौर सेंट्रल जेल में पितृ तर्पण का आयोजन, 250 कैदियों ने पूर्वजों को अर्पित की श्रद्धांजलि

श्राद्ध पक्ष (पितृ पक्ष) के अवसर पर मध्य प्रदेश के इंदौर सेंट्रल जेल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पुरुष और महिला कैदियों ने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पितृ तर्पण किया.

त किया गया, जिसमें लगभग 250 कैदियों ने भाग लिया.पितृ तर्पण का धार्मिक आयोजन हिन्दू धर्म के उन परंपरागत कर्मों में से एक है, जिसमें पितरों या पूर्वजों को जल और अन्न अर्पित करके उनकी आत्मा की शांति की कामना की जाती है. इसी धार्मिक मान्यता के तहत जेल प्रशासन ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया, ताकि कैदी भी अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान प्रकट कर सकें.कार्यक्रम की समग्र विधि उज्जैन से आए पंडित श्याम जी पंडा द्वारा संपन्न की गई. पंडित श्याम ने तर्पण की विधि का विस्तार पूर्वक पालन करते हुए कैदियों को इस कर्मकांड से जोड़ा और उन्हें धार्मिक रूप से इस प्रक्रिया में शामिल किया.जेल अधीक्षक अलका सोनकर ने कहा कि इस तरह के धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम कैदियों के मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. यह आयोजन कैदियों को अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने का एक अवसर प्रदान करता है, जिससे उनका आत्मसम्मान बढ़ता है और वे अपने कर्मों के प्रति जागरूक होते ह

टंकी से मिला बच्ची का शव, गुस्साए लोगों के साथ धरने पर बैठे विधायक, जीतू पटवारी ने सरकार पर साधा निशाना

राजधानी भोपाल के शाहजहांनाबाद क्षेत्र में तीन दिन से लापता बच्ची का शव मिलने के मामले को लेकर इलाके में हड़कंप मच गया. लोगों ने इस घटना को लेकर जमकर हंगामा मचाया. गुस्साए लोगों ने शाहजहांनाबाद थाने का घेराव कर दिया है. आक्रोशित लोगों ने दोषियों को फांसी देने की मांग की है. आक्रोशित लोग विरोध प्रदर्शन के दौरान फांसी दो, फांसी के नारे लगा रहे थे. प्रदर्शनकारियों में महिलाएं भी थाने के सामने धरने पर बैठ गईं. पुलिस मामले की जांच कर रही है.एसीपी निहित उपाध्याय ने बताया कि उसी के घर के सामने से बॉडी रिकवर हुई है. शव पीएम के लिए भेजा गया है. पानी के टैंक जो घरों में होते हैं उसमें से शव मिला है. पुलिस ने इस पूरे मामले कई एंगल से जांच की. स्मेल आने के बाद पुलिस को क्लू मिला. पूरे डिटेलिंग में पूछताछ की गई. बिल्डिंग के एक-एक घर को चेक किया गया. कई घरों में ताले भी लगे रहते थे, जिस घर से शव बरामद हुआ वहां भी लोग रहते थे. थाने के सामने धरना प्रदर्शन कर रहे आक्रोशित लोगों के साथ विधायक आरिफ मसूद भी धरने पर बैठ गए. कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने भी दुख जताते हुए कहा कि इलाके में शराब और गांजे जैसा कारोबार किया जा रहा है और पुलिस किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं करती है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने ट्वीट कर प्रदेश सरकार से सवाल पूछा है. पटवारी ने ट्वीट कर लिखा, बीजेपी ने मध्य प्रदेश को हमारी बेटियों के लिए नर्क से भी बदतर बना दिया है.

मध्य प्रदेश में आपस में भिड़ गए मुसलमानों के दो गुट, एक की मौत, मोहन यादव ने दिए सख्त आदेश

मध्य प्रदेश के शाजापुर में दो पक्षों के बीच बड़े स्तर पर हिंसा हुई है। जानकारी के मुताबिक, जिले के मक्सी इलाके में मुस्लिम समाज के ही 2 गुट आपस में भिड़ गए। इसके बाद दोनों पक्षों की तरफ से जमकर पत्थरबाजी हुई है। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक कई राउंड गोलियां भी चली हैं। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई है और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। इलाके तनाव को देखते हुए पुलिस को तैनात किया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने दिल्ली से पुलिस को सख्त आदेश जारी किए हैं। जानकारी के मुताबिक, शाजापुर के मक्सी में बीजेपी का मेंबरशिप अभियान चल रहा था। एक गुट ने बीजेपी की मेंबरशिप अभियान से जुड़े समीर मेव नाम के युवक को उसी के घर में घुसकर मारा पीटा, जिसके बाद मुस्लिम समाज के दो गुट आपस में बुरी तरह भिड़ गए। फायरिंग में एक शख्स की मौत गई है जबकि 6 लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। फिलहाल इलाके में भारी तादाद में पुलिस बल को तैनात किया गया है। शाजापुर जिले के मक्सी में दो पक्षों के बीच विवाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने घटना के संबंध में दिल्ली से फोन पर उज्जैन आईजी और कमिश्नर से ली जानकारी ली है। सीएम के निर्देश पर उज्जैन आईजी और कमिश्नर ने घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया है। सोशल मीडिया पर भड़काऊ मैसेज पर पुलिस की नजर है। घटनास्थल के आस-पास भीड़ ना जमा होने के भी निर्देश दिए गए हैं। शाजापुर के मक्सी में दो पक्षों के उपद्रव के बाद क्षेत्र में तनाव को देखते हुए बाजार बंद हैं। साथ ही स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। प्रशासन ने 28 सितंबर तक के लिए इलाके में धारा 163 लगा दी है। इलाके में चार जिलों की पुलिस फोर्स समेत उज्जैन संभाग की पुलिस फोर्स भी तैनात है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस सीसीटीवी फुटेज और विवाद के वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई करेगी।

दिल्ली में 4 दिन बंद रहने वाली है शराब की दुकान,

दिल्ली में अगले दो महीनों में 6 दिन शराब की दुकान बंद रहेगी. आबकारी विभाग ने आदेश जारी किया है. अक्टूबर महीने में चार दिन 2, 12,17, और 31 तारीख को शराब की दुकान बंद रहेंगी. नवंबर महीने में 15 और 24 तारीख को शराब की दुकान बंद रहेगी.एक्साइज विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अक्टूबर और नवंबर महीने को मिलाकर कुछ 6 दिन ड्राई डे रहेगा. यहां के लोगों को 6 दिन दुकानों से शराब नहीं मिल सकेंगी.जानकारी के मुताबिक आबकारी विभाग ने गांधी जयंती और अन्य दूसरे त्योहारों को लेकर शराब की दुकानों को बंद करने का फैसला लिया है. 2 अक्टूबर को गांधी जयंती होने की वजह से शराब की दुकानों को बंद करने का आदेश जारी किया गया है. इसके साथ ही दशहरा का त्यौहार भी आने वाला है. 12 अक्टूबर (शनिवार) को विजयादशमी के कारण यहां शराब की दुकानें बंद रहेंगी. इसके बाद फिर 17 अक्टूबर को भी दुकानों को बंद रखा जाएगा. इस दिन महर्षि वाल्मीकि जयंती है. इसके साथ ही 31 अक्टूबर को भी दुकानें बंद रहेंगी, जिस दिन दिवाली का त्योहार है. 15 नवंबर को गुरुनानक जयंती की वजह से राष्ट्रीय राजधानी में ड्राई डे रहेगा. इसके अलावा 24 नवंबर को गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस के मौके पर दिल्ली में शराब की दुकानें नहीं खुलेंगी.एक्साइज विभाग की ओर से जारी आदेश में ये भी कहा गया है कि दिल्ली में शराब की बिक्री को लेकर किसी भी परिवर्तन के कारण लाइसेंसधारी किसी भी मुआवजे के हकदार नहीं होंगे. ड्राई डे के दौरान शराब की बिक्री पर प्रतिबंध एल-15 और एल-15एफ लाइसेंस वाले होटलों के मामले में निवासियों को शराब की सर्विस पर लागू नहीं होगा. ड्राई डे पर लाइसेंसधारी का व्यावसायिक परिसर बंद रखा जायेगा. सभी को इस आदेश का पालन करना होगा.

आज से पहले की तरह खुला बोरवन पार्क, मॉर्निंग और इवनिंग वॉक करने वाले जान लें समय

वरिष्ठ नागरिकों की मांग पर आज से पूर्व की तरह बोरवन पार्क को खोलने का फैसला हुआ है. सुबह 6 बजे पार्क के ताले खोले गए. शाम 4 बजे भी पार्क खुला रहा. पार्क के ताले खुलने से लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा.बता दें कि दो सप्ताह पहले 8-10 की संख्या में सियारों का झुंड नजर आया था. सियारों को देखकर मॉर्निंग वॉक करने वालों ने सियारों के झुंड का वीडियो बनाकर स्थानीय पार्षद को सूचित किया.सूचना पर पर्यावरण वानिकी, वन विभाग और पुलिस हरकत में आयी. सियारों को कैद करने के लिए तीन अलग-अलग स्थानों पर पिंजरे लगाए गए. पिंजरों में रोजाना ताजा चिकन मटन भी रखा जाता था. विडंबना रही कि 13 दिन बीत जाने के बाद भी पिंजरों में सियार नहीं फंस सके. सियारों के बदले कुत्ते कैद हो गये. बोरवान पार्क में रोजाना मॉर्निंग वॉक के लिए लोगों की बड़ी संख्या पहुंचती है.लोगों की सुरक्षा को देखते हुए पार्क को बंद करने का फैसला लिया गया. करीब 15 दिन तक पार्क के गेट नहीं खोले गये. फिलहाल एक दिन पहले सुबह 7 से 8 बजे तक पार्क को आमजनों के लिए खोला गया. दूसरे दिन आज शुक्रवार को पार्क पूर्व की तरह ही खोल दिया गया. गेट खुलने पर पार्क में मॉर्निंग वॉक के लिए लोग पहुंचे. सुबह 10 बजे पार्क के गेट बंद किए गए. इसी तरह शाम को 4 से 6 बजे तक पार्क के गेट खोलने का फैसला हुआ.पार्क के गेट 6 बजे बंद किये जायेंगे. गौरतलब है कि सियारों की वजह से इलाके में दहशत का माहौल पैदा हो गया था. बोरवन पार्क के आसपास एक कॉलेज और आधा दर्जन से अधिक स्कूल हैं. लोगों ने रात 8 बजे के बाद घरों से निकलना छोड़ दिया था.15 दिन बाद पार्क के खुलने से लोग काफी खुश हैं. वरिष्ठ नागरिक अब मॉर्निंग और इवनिंग वॉक कर सकेंगे.

सैलानियों का इंतजार जल्द होगा खत्म! एमपी के सभी टाइगर रिजर्व एक अक्टूबर से फिर होंगे गुलजार

मध्य प्रदेश में स्थित 6 टाइगर रिजर्व में घूमने का बेसब्री से इंतजार कर रहे सैलानियों के लिए अच्छी खबर है. 3 दिन बाद यानि 1 अक्टूबर से एक बार फिर से यह टाइगर रिजर्व सैलानियों के लिए खोल दिए जाएंगे. इन टाइगर रिजर्व को 30 जून से 30 सितंबर तक तीन महीने के लिए बारिश के दौरान बंद किया गया है.इससे पहले मध्य प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व को 30 जून से बंद कर दिया गया, लेकिन अब लंबे ब्रेक के बाद 1 अक्टूबर से फिर से इन टाइगर रिजर्व को सैलानियों के लिए खोला जाएगा. जिसके बाद देश-विदेश के सैलानी इन टाइगर रिर्जव में घूम सकेंगे और प्राकृतिक सौंदर्यता का आनंद ले सकेंगे. 1 जुलाई से टाइगर रिजर्व है बंदता दें, मध्य प्रदेश में 6 टाइगर रिजर्व हैं, जिनमें कान्हा टाइगर रिजर्व, बांधवगढ़ टाइगर रिवर्ज, पन्ना टाइगर रिजर्व, पेंज टाइगर रिजर्व, संजय दुबरी टाइगर रिजर्व और सतपुड़ा टाइगकर रिजर्व शामिल हैं. यहां हर साल लाखों की तादाद में सैलानी घूमने आते हैं.

आगरा के बाबा कल्याणदास की हत्या का पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा, दो साधु गिरफ्तार

आगरा में मंदिर के एक संत की हत्या कर दी गई. मंदिर के संत बाबा की हत्या रंजिशन की गई थी जिसका पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा कर दिया. आश्रम में गंदगी को लेकर हुए विवाद के बाद दूसरे आश्रम के बाबाओं ने संत बाबा की हत्या की थी जो अब पुलिस की गिरफ्त में है. आगरा में बाबा कल्याणदास की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है. बाबा की हत्या पास ही के आश्रम में रहने वाले दो साधुओं ने की थी. पुलिस ने हत्या के आरोपी दोनों साधुओं को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या में इस्तमाल की गई कुल्हाड़ी को भी बरामद कर है.मामला आगरा के थाना पिनाहट क्षेत्र के बीहड़ के आश्रम में बाबा कल्याणदास का शव मिला था जिसके बाद हड़कंप मच गया था. संत बाबा पिछले 10 सालों से मंदिर आश्रम में रह रहे थे. मंदिर में संत बाबा की हत्या की सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी. मौके

पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. आश्रम में संत बाबा की हत्या की पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी. पुलिस ने हत्या की हर पहलू पर जांच कर रही थी. पुलिस की जांच में दूसरे आश्रम के बाबाओं के नाम सामने आए. बाबा के परिजन ने दो साधुओं पर हत्या का शक जताया था. पुलिस ने जिन बाबाओं पर शक जताया गया था उनकी जांच शुरू कर दी थी.हत्या के खुलासा के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया. संत बाबा की हत्या के बाद से आरोपी फरार थे जिससे शक और गहरा हो गया. अब पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस पूछताछ में आरोपी दोनों बाबाओं ने बताया कि वह बाबा के आश्रम में जबरन गाय बांध रहे थे और गंदगी आश्रम में हो गई थी जिसके बाद बाबा कल्याणदास से विवाद हो गया था. गुस्से में आकर आरोपी साधुओं ने कुल्हाड़ी से बाबा कल्याणदास के सिर पर वार कर हत्या कर हत्या कर दी थी. अब पुलिस ने आरोपी दोनों बाबाओं को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी भी पुलिस ने बरामद कर किया है.

बाबा कल्याणदास की हत्या का खुलासा करते हुए एसीपी पिनाहट अशोक कुमार ने बताया कि, पिनाहट क्षेत्र में आश्रम के संत की हत्या का मामला सामने आया था जिसमे पुलिस टीम गठन किया गया था. पुलिस टीम में हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आश्रम में गंदगी को लेकर विवाद हुआ था जिसके बाद संत बाबा की हत्या कर दी गई थी. जिसका खुलासा 24 घंटे में किया गया है. हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद की गई है.

फीस के अभाव में या अन्य कारणों से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की टी.सी. रोककर उनके शिक्षा के अधिकार से वंचित न करें - कलेक्टर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने जिले के समस्त संचालक/प्रबंधक अशाासकीय विद्यालयो को पत्र जारी कर कहा है कि विभिन्न शिकायतों के माध्यम से संज्ञान में आया है कि जिले में कई निजी स्कूलों द्वारा प्रायः फीस के अभाव में या अन्य कारणों से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को टी.सी. प्रदान नहीं की जाती है जिससे बच्चे अन्य विद्यालय में प्रवेश नहीं ले पाते हैं, और शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। यह बच्चों के शिक्षा के अधिकार का हनन है।कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने समस्त संचालक/प्रबंधक अशाासकीय विद्यालयो को निर्देशित किया है कि आप यह सुनिश्चित करें कि फीस के अभाव में या अन्य कारणों से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की टी.सी. रोककर उनके शिक्षा के अधिकार से वंचित न किया जाए। अन्यथा की स्थिति में आपके विद्यालय की मान्यता निरस्त कर आपके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जावेगी।

गंगभोज में शामिल होने आए युवक की बाइक हुई चोरी,पुरानी कबाड़ा गाड़ी छोड़ गये चोर

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- गार्डन के बाहर से बाइक हुई चोरी, दबोह थाने में मामला दर्ज।दरअसल मामला 24 सितंबर 2024 का है,फरियादी मानवेन्द्र पाल पुत्र लाखन पाल उम्र 35 वर्ष निवासी अमरोख थाना पूंछ जिला झांसी ऊप्र ने थाना पुलिस दबोह को बताया कि बीते रोज दबोह निवासी मेरे मामा का स्वर्गवास हो गया था जिसके चलते मैं 24 सितंबर को आयोजित त्रियोदशी कार्यक्रम शामिल होने आया था।फरियादी ने बताया कि रात्रि करीब 8:30 बजे के आस पास की बात है जब मैं मंगलम गार्डन में अपनी मोटरसाइकिल आई स्मार्ट क्र937622 से आया था।गाड़ी मैने मंगलम गार्डन के गेट के सामने खड़ी करदी और अपने अन्य रिश्तेदारों के साथ अंदर चले गए फिर करीब 25-30 मिनट बाद खाना खाकर बाहर आये तो फरियादी ने देखा कि बाहर खड़ी उसकी मोटरसाइकिल मौके पर नही थी।जिसके बाद फरियादी ने मोटरसाइकिल को आस पास तलाश किया परन्तु दिनांक 25 सितंबर तक मोटरसाइकिल का कोई पता नही चला।जिसके बाद फरियादी ने थाना

दबोह में अज्ञात चोरों के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया।

फरियादी की मोटरसाइकिल चोरी कर पुरानी बाइक छोड़ गए चोर-फरियादी मानवेन्द्र पाल ने बताया कि जब मैं बाहर आया तो मेरी बाइक की जगह एक काफी पुरानी गाड़ी खड़ी थी,जिस पर यूपी का नम्बर लिखा हुआ है।मौके पर पूछताछ की तो वह गाड़ी किसी की भी नही पाई गई,जिसको थाना पुलिस दबोह में जप्त कर लिया है।फरियादी ने बताया कि चोर मेरी गाड़ी ले गए और अपनी पुरानी खराब गाड़ी छोड़ गए,जिससे यह भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि चोरों द्वारा मौके पर छोड़ी गई गाड़ी भी चोरी की हो सकती है।

नगर में बड़ रहा चोरियों का ग्राफ,पुलिस की पकड़ से कोसो दूर चोर-आपको बता दें कि नगर दबोह में लगातार चोरियों का ग्राफ बड़ता जा रहा है पर चोर पुलिस की पकड़ से कोसो दूर नजर आ रहे हैं।क्योंकि बीते कुछ माह पहले नगर में कई चोरियां हो चुकी हैं पर अब तक दबोह पुलिस चोरों को नही पकड़ पाई है।तो वहीं 09 सितंबर को चोरों ने दिन दहाड़े चोरी कर दबोह पुलिस को खुली चुनौती दी थी जिसका सुराग भी अब तक नही लग पाया,इससे साफ जाहिर होता है कि चोरों को दबोह पुलिस का कोई खौफ नही है।

मध्यप्रदेश राजस्व अधिकारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष बने नरवर तहसीलदार अमित दुबे

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर- मध्य प्रदेश राजस्व अधिकारी (कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा)संघ ने नवीन कार्यकारणी की घोषणा की है।जिसमे सर्वसम्मति से अमित दुबे तहसीलदार नरवर को मध्यप्रदेश राजस्व अधिकारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रतिनिधि मंडल प्रमुख बनाया गया।तो वहीं प्रदेश का दायित्व मिलने पर तहसीलदार अमित दुबे ने सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को धन्यवाद दिया।उन्होंने कहा कि नई कार्यकारिणी में सभी सदस्यों को साथ लेकर कार्य करेंगे और कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे।ज्ञात रहे कि तहसीलदार अमित दुबे हमेशा अपनी कार्यशैली के चलते आम जनता के बीच प्रिय रहे हैं।और अभी कुछ दिन पहले ही अमित दुबे को राजस्व अभियान के सर्वे में ग्वालियर सम्भाग में नरवर तहसील को प्रथम स्थान मिला था।जिसका सम्पूर्ण श्रेय तहसीलदार अमित दुबे को मिला था।फिलहाल तो उनको मप्र राजस्व अधिकारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये जाने पर उनके मित्र व शुभचिंतकों में खुशी की लहर है।

चंबल के बीहड़ों में स्थित अटेर किला

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। अटेर किला भारत के ऐतिहासिक किलों में से एक है। यह मध्य प्रदेश राज्य के भिण्ड जिले के विकासखण्ड अटेर में स्थित है। भिण्ड जिले में अटेर किला मध्य प्रदेश राज्य में उत्तर प्रदेश की सीमा के करीब स्थित है। यह ग्वालियर शहर से 100 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। इस किले का निर्माण भदौरिया शासकों बदन सिंह,महा सिंह और बखत सिंह ने 1664 से 1668 ई. के बीच करवाया था। भदौरिया शासकों के नाम पर इस क्षेत्र को बधवार के नाम से जाना जाता था। यह किला चंबल नदी के पास चंबल के बीहड़ों में स्थित है। यह भिण्ड शहर से सिर्फ 35 किमी दूर है। चंबल घड़ियाल अभयारण्य या चंबल नदी के किनारे घड़ियाल, डॉल्फिन,पक्षियों को देखने के लिए आने वाले पर्यटक अक्सर इस पहाड़ी की चोटी पर स्थित किले को देखने जाते हैं।अटेर किला ग्वालियर शहर से 100 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में है, इसलिए ग्वालियर हवाई अड्डा इस किले को देखने के लिए सबसे अच्छा उड़ान संपर्क विकल्प है। ग्वालियर से आगे की यात्रा पर्यटक कैब द्वारा संभव है। रेलवे मार्ग से अटेर किला तक पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन भिण्ड रेलवे स्टेशन है और आगे की यात्रा कैब से कर सकते हैं।अटेर किला को देखने के लिए सड़क मार्ग से यात्रा की जा सकती है। अटेर किला चंबल की बीहड़ों पर बना एक मध्यम आकार का ऐतिहासिक किला है। किले के मुख्य आकर्षण खूनी दरवाजा, लबदन सिंह का महल, हथियापुर,राजा का बंगला,रानी का बंगला और बारह खंबा महल हैं। यह भिण्ड शहर के करीब चंबल नदी के किनारे स्थित है। यह क्षेत्र चंबल घड़ियाल अभयारण्य और पक्षी देखने के लिए लोकप्रिय है। यह किला भदौरिया शासकों का था, इसलिए इस जगह की यात्रा भदौरिया साम्राज्य के युग से जुड़ी हुई है।

सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में धुरासनी का दबदबा

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

पाली ।68वीं जिला स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता बांगड़ स्टेडियम में फादर्स चिल्ड्रन स्कूल पाली के तत्वावधान में बड़े ही धूमधाम से सम्पन्न हुई।17 व 19 वर्ष छात्र और छात्राओं की कुल 49 टीमों के 632 खिलाड़ियों ने भाग लिया इसमें राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धुरासनी ने अपना जोरदार प्रदर्शन किया और चारों वर्ग में अपना स्थान बनाया 19 वर्ष बालिका में पहला स्थान 17 वर्ष बालिका में दूसरा स्थान 19 वर्ष छात्र में तीसरा स्थान और 17 वर्ष छात्र में भी तीसरा स्थान प्राप्त कर जिले में सर्वाधिक स्कोर अर्जित किया।इस प्रतियोगिता में अन्य परिणाम इस प्रकार रहे 19 वर्ष बालिका में दूसरा स्थान राउमावि खोखरा तीसरा स्थान कृष्णा कान्वेंट स्कूल ढाबर का रहा.17 वर्ष बालिका में पहला स्थान कृष्णा कान्वेंट स्कूल ढाबर का व तीसरा स्थान आउटरीच स्कूल पाली का रहा 19 वर्ष छात्र में पहला स्थान सांखला उमावि पाली व दूसरा स्थान आउटरीच स्कूल पाली का रहा 17 वर्ष छात्र में पहला स्थान विवेक पब्लिक स्कूल पाली व दूसरा स्थान राउमावि इंदरवाड़ा का रहा। नियन्त्रण कक्ष प्रभारी भरतलाल शर्मा ने बताया कि धुरासनी स्कूल ने सबसे अधिक मेडल प्राप्त कर जिले में नाम रोशन किया।इस प्रतियोगिता के आयोजक प्रदीप दवे, हेमशंकर शर्मा संयोजक आर्यवीर सिंह टाक तथा निर्णायक रामजीवन सुथार, मनजीत सिंह भुल्लर अंजु गुप्ता मानवेन्द्र सिंह आदि थे। धुरासनी टीम के मैनेजर कानाराम सीरवी ने बताया कि विद्यालय के शारीरिक शिक्षक आर्यवीर सिंह टाक ने लम्बे समय तक कड़ा अभ्यास करवाकर टीमों को तैयार किया टाक की मेहनत और ग्रामवासियों व स्टाफ का सहयोग बहुत अच्छा रहा। प्रतियोगिता के फाइनल मैच में प्रधानाचार्य प्रकाश कंवर स्वयं उपस्थित होकर छात्राओं का हौंसला बढ़ाया और धुरासनी गांव से कुन्दन सिंह, प्रेमसिंह, रणजीत सिंह आदि उपस्थित रहे।

30 सितम्बर भिंड चलो गांव गली में गूंजा नारा अभी नहीं तो कभी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

सिक्स लेन हाईवे की मांग के लिये 30 सितंबर की तैयारी को लेकर समाजसेवियों द्वारा जनसंपर्क

भिण्ड । संत महात्माओं के नेतृत्व में 30 सितंबर को बड़े हनुमान मंदिर से कलेक्ट्रेट तक रैली धरना के लिए आज पावई आदर्श,पचोखरा पीथनपुरा,बिछोली,इतेहार,कनौआ पूरा,भिंड शहर में नवादा,बाग,अटेर रोड़ ,गोविंद नगर ,जोशी नगर इटावा रोड में जनसंपर्क किया शहर में आदिनाथ भक्त मंडल ग्रुप के नौजवान गली गली घूमकर पर्चा वितरण किया सभी को रैली में आने का न्योता दिया आज के शहर जनसंपर्क की अगुआई जीतू भदौरिया जामपुरा,नितिन सर,अरविंद शर्मा,दीपक गुप्ता,जीतू फौजी शुभम पचौरी, रॉकी तोमर,पंकज शुक्ला ग्रामीण जन सम्पर्क में समाज सेवी सुनील शर्मा फौजी,राजेश यादव गड्डूपुरा, कुलदीप भदोरिया,अनुपम भदौरिया, अभिलाख कुशवाह लहार,राजकुमार कुमार शाक्य,गौरव पीथनपुरा,उदय सिंह गुर्जर पावई,प्रदीप यादव पावई बिनोद वाल्मिक आदि शामिल रहे

सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में धुरासनी का दबदबा

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

पाली ।68वीं जिला स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता बांगड़ स्टेडियम में फादर्स चिल्ड्रन स्कूल पाली के तत्वावधान में बड़े ही धूमधाम से सम्पन्न हुई।17 व 19 वर्ष छात्र और छात्राओं की कुल 49 टीमों के 632 खिलाड़ियों ने भाग लिया इसमें राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धुरासनी ने अपना जोरदार प्रदर्शन किया और चारों वर्ग में अपना स्थान बनाया 19 वर्ष बालिका में पहला स्थान 17 वर्ष बालिका में दूसरा स्थान 19 वर्ष छात्र में तीसरा स्थान और 17 वर्ष छात्र में भी तीसरा स्थान प्राप्त कर जिले में सर्वाधिक स्कोर अर्जित किया।इस प्रतियोगिता में अन्य परिणाम इस प्रकार रहे 19 वर्ष बालिका में दूसरा स्थान राउमावि खोखरा तीसरा स्थान कृष्णा कान्वेंट स्कूल ढाबर का रहा.17 वर्ष बालिका में पहला स्थान कृष्णा कान्वेंट स्कूल ढाबर का व तीसरा स्थान आउटरीच स्कूल पाली का रहा 19 वर्ष छात्र में पहला स्थान सांखला उमावि पाली व दूसरा स्थान आउटरीच स्कूल पाली का रहा 17 वर्ष छात्र में पहला स्थान विवेक पब्लिक स्कूल पाली व दूसरा स्थान राउमावि इंदरवाड़ा का रहा। नियन्त्रण कक्ष प्रभारी भरतलाल शर्मा ने बताया कि धुरासनी स्कूल ने सबसे अधिक मेडल प्राप्त कर जिले में नाम रोशन किया।इस प्रतियोगिता के आयोजक प्रदीप दवे, हेमशंकर शर्मा संयोजक आर्यवीर सिंह टाक तथा निर्णायक रामजीवन सुथार, मनजीत सिंह भुल्लर अंजु गुप्ता मानवेन्द्र सिंह आदि थे। धुरासनी टीम के मैनेजर कानाराम सीरवी ने बताया कि विद्यालय के शारीरिक शिक्षक आर्यवीर सिंह टाक ने लम्बे समय तक कड़ा अभ्यास करवाकर टीमों को तैयार किया टाक की मेहनत और ग्रामवासियों व स्टाफ का सहयोग बहुत अच्छा रहा। प्रतियोगिता के फाइनल मैच में प्रधानाचार्य प्रकाश कंवर स्वयं उपस्थित होकर छात्राओं का हौंसला बढ़ाया और धुरासनी गांव से कुन्दन सिंह, प्रेमसिंह, रणजीत सिंह आदि उपस्थित रहे।

खरगोन मण्डी में 28 एवं 29 सितंबर को कपास की नीलामी रहेगी बंद

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

मौसम विभाग के अनुसार खरगोन जिले में आने वाले दो-तीन दिनों में बारिश होने की संभावना बताई गई है। इसे देखते हुए मण्डी प्रशासन द्वारा 28 एवं 29 सितंबर को कृषि उपज मण्डी खरगोन में कपास की नीलामी का कार्य बंद रखा जाएगा। कृषि उपज मण्डी खरगोन की सचिव श्रीमती शर्मिला निनामा में किसान बन्धुओं से अपील की है कि 28 एवं 29 सितंबर को आनंद नगर कपास मण्डी खरगोन में कपास विक्रय के लिए लेकर न आए।

माय भारत स्वयंसेवकों द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान, दिया स्वच्छता का संदेश

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार नेहरू युवा केंद्र संगठन भिंड सवा दल युवा मंडल, ग्राम पखोजिया विकासखंड गोहद में माय भारत स्वयंसेवकों के सहयोग से शासकीय प्राथमिक विद्यालय पखोजिया में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम सरपंच देवेश यादव, हल्का पटवारी ध्रुव सिंह एवं ग्राम सचिव संजीव यादव रहे। कार्यक्रम की

शुरुआत अतिथियों ने माता सरस्वती जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया। ग्राम सरपंच ने युवा एवं ग्रामीण लोगों को प्रेरित करते हुए बताया कि साफ एवं स्वच्छ स्थान पर देवता का वास होता है, गंदी जगह पर तो बीमारियां जन्म लेती हैं। घर के साथ-साथ अपने आसपास साफ सफाई रखना सबका कर्तव्य है। पटवारी ध्रुव सिंह ने बताया कि गांव में नालियों में पॉलिथीन या कचरा ना फेंके इससे नाली चौक होने की समस्या होती है।और गन्दगी फैलती हैं इसलिए अपने घर के आसपास की नालियां साफ रखें सचिव संजीव यादव ने कहा हर व्यक्ति को वृक्ष लगाना चाहिए अपने जीवन में और उसकी पुत्र की तरह रक्षा करनी चाहिए । इसके उपरांत सभी ने विद्यालय परिसर में साफ सफाई का कार्य कर श्रमदान किया। इस कार्य में ग्रामीण जन उपस्थित हुऐ। सुरेश सिंह यादव,तेजपाल राठौर, सेवाराम,राजवीर,अमर सिंह, रामाधार राजपूत, धर्मेन्द्र यादव हरबीर यादव, आदि ने सहयोग किया। इसके उपरांत माय भारत स्वयंसेवक एवं मंडल अध्यक्ष प्रशांत मौर्य ने सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में माय भारत स्वयंसेवक सतीश कुमार, प्रदीप कुशवाह, अभिषेक, अंकुश,छोटू शिवशंकर उपस्थित थे

अस्थाई कनेक्शन लेकर ही झांकी-पंडाल की सज्जा करें : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलिटुडे

ग्वालियर / नवरात्रि, दुर्गा उत्सव, दशहरा, गरबा उत्सव तथा अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बनाए जाने वाले पंडालों को अस्थायी कनेक्शन देने के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनियों ने माकूल प्रबंध किए हैं। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे नवरात्रि के दौरान धार्मिक पण्डालों एवं झॉकियों में बिजली साज-सज्जा, नियमानुसार ऑनलाइन अस्थाई कनेक्शन लेकर ही करें।ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा है कि अनाधिकृत बिजली के उपयोग से अधिक भार के कारण ट्रांसफार्मर के जलने तथा विद्युत दुर्घटना होने की आशंका होती है। साथ ही पारेषण एवं वितरण प्रणाली पर विपरीत असर होने से अंधेरे की संभावना बनी रहती है। बिजली कंपनी से अस्थाई बिजली कनेक्शन लिए बिना अनाधिकृत रूप से पंडालों में रोशनी और साज-सज्जा के लिए बिजली का उपयोग करने पर इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के तहत उपयोगकर्ता एवं जिस विद्युत ठेकेदार से कार्य कराया गया है, उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही के साथ ही अनाधिकृत विद्युत उपयोग की दशा में संबंधित विद्युत ठेकेदार के लायसेंस निरस्तीकरण की कार्यवाही भी की जा सकती है।

अस्थाई कनेक्शन लेने हेतु क्या करें-बिजली कंपनी के पोर्टल पर जाकर निर्धारित प्रपत्र में सही, संयोजित विद्युत भार को दर्शाते हुए अस्थायी कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन करें। लायसेंसी विद्युत ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट आवेदन में संलग्न करें एवं वायरिंग इत्यादि लायसेंसधारी विद्युत ठेकेदार से ही करवाएं। आवेदन में दर्शाए अनुसार विद्युत भार के अनुरूप सुरक्षा निधि एवं अनुमानित विद्युत उपभोग की राशि ऑनलाइन जमा कराकर बिजली कंपनी से अस्थाई कनेक्शन की रसीद अवश्य लें। रसीद की लेमीनेटेड प्रति अनिवार्य रूप से पंडाल/झॉकी के सामने लगाएं। आवेदित विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग विद्युत साज-सज्जा के लिए न करें। विद्युत कनेक्शन मीटरीकृत होगा एवं विद्युत देयक की बिलिंग नियमानुसार अस्थायी कनेक्शन के लिए लागू घरेलू दर पर की जाएगी। झांकियों के निर्माण एवं विद्युत साज-सज्जा में सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। अनाधिकृत तरीके से विद्युत का उपयोग नहीं करें।

औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे प्रभारी मंत्री

जिला चिकित्सालय विद्युत सबस्टेशन और रैन बसेरा का लिया जायजा

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी / ऊर्जा मत्री और शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर आज रात के समय शिवपुरी में कई स्थानों पर औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे। उन्होंने जिला चिकित्सालय, विद्युत सब स्टेशन और रैन बसेरा का निरीक्षण किया। प्रभारी मंत्री ने जिला चिकित्सालय में निरीक्षण करते हुए वहां मरीजों से चर्चा की और अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में जाना। जिला चिकित्सालय के आईसीयू वार्ड सहित अन्य वार्डों का जायजा लिया और मौके पर उपस्थित सिविल सर्जन को अस्पताल की व्यवस्थाओं में और सुधार के निर्देश दिए। जिला चिकित्सालय आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलनी चाहिए। सभी चिकित्सक अपनी ड्यूटी पर तैनात रहे और मरीजों के साथ सही व्यवहार रखें। यह निर्देश दिए। उन्होंने जिला चिकित्सालय में साफ सफाई का भी जायजा लिया और गंदगी देख प्रभारी मंत्री ने स्वयं सफाई की। स्वच्छता का संदेश देते हुए अस्पताल प्रबंधन और सफाई कर्मियों को सख्त निर्देश दिए हैं। स्वच्छ वातावरण स्वस्थ वातावरण के लिए बहुत जरूरी है, इसलिए गंदगी नहीं रहना चाहिए। सफाई कर्मी प्रतिदिन अपनी ड्यूटी के समय सक्रियता से साफ सफाई पर ध्यान दें। उन्होंने शिवपुरी रैन बसेरा का भी निरीक्षण किया और रैन बसेरा में अन्य सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश एसडीएम शिवपुरी को दिए हैं। इसके अलावा प्रभारी मंत्री अपने रात्रि विजिट के दौरान विद्युत सब स्टेशन का निरीक्षण करने भी पहुंचे। उन्होंने 132 केवी सबस्टेशन का निरीक्षण किया और ड्यूटी पर मौजूद

अधिकारियों कर्मचारियों से चर्चा की और निर्देश भी दिए हैं कि विद्युत संबंधी शिकायत नहीं मिलना चाहिए। लोगों को बेहतर सुविधाएं मिले यही हमारा उद्देश्य है।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश प्रभारी मंत्री ने मौके पर उपस्थित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए हैं कि अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था का भी ध्यान रहे।यहां अस्थाई पुलिस चौकी है जहां निर्धारित समय पर ड्यूटी पर पुलिसकर्मी तैनात रहे।

शासकीय उ.मा.वि.खरगोन में दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ बच्चों के साथ सहभोज किया

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

खरगोन - स्थानीय शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ उ. मा. वि. मे मानवाधिकार सुरक्षा संघ के सदस्यों द्वारा सहभोज किया गया एवं इशारों इशारों में उनसे वार्तालाप कर बात समझने के लिए प्रयास किया गया।इस विद्यालय में अन्य जिलों के बच्चे भी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं येसे बच्चो के साथ कुछ पल व्यतीत करना तो उनको खुशी का एहसास होता है मन में तरंगे हिलोरे लेती हैं और उन बच्चों को ऐसा लगता है कि सभी हमारे अपने है।कार्यक्रम का आयोजन मानवाधिकार सुरक्षा संघ खरगोन के सदस्यों द्वारा किया गया था अवसर था राष्टीय उपाध्यक्ष सतीश गांगले जी का जन्मदिन साथ में संगठन के कमल कुमार गांगले, धर्मेंद्र वर्मा, राकेश पंड्या, कमल सागोरे, सुनील दवाने, रूपेश प्रजापत, आसमा डावर, राधा गांगले, वंदना टाकुर,सुनील यादव आदि

खरगोन पुलिस का गौवंश तस्करों पर कडा प्रहार

अवैध गौवंश परिवहन मे उपयोग किए गए वाहनों को किया गया राजसात

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

जिला खरगोन के कुल 54 निर्णीत प्रकरणों मे 165 आरोपियों से 64 वाहन तथा 396 गौवंश शासन हित मे किए गए है राजसात

राजसात 64 वाहन तथा 396 गौवंश की कुल कीमत लगभग 3,38,30,400/- (तीन करोड़ अड़तीस लाख तीस हजार चार सौ रुपये)

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार खरगोन पुलिस के द्वारा लगातार अवैध गौवंश परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है । अवैध गौवंश परिवहन

पर खरगोन पुलिस के द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध करने के साथ-साथ उक्त परिवहन पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के द्वारा जिला खरगोन के समस्त अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) व समस्त थाना प्रभारियों को अवैध गौवंश परिवहन मे उपयोग किए गए वाहनों व गौवंशों को राजसात करने हेतु निर्देशित किया जाकर दर्ज किए गए प्रकरणों मे जप्तशुदा वाहनों व गौवंशों को राजसात करने हेतु पत्राचार किया गया था । जिसके परिणामस्वरूप माननीय अपर जिला मजिस्ट्रेट खरगोन श्रीमति रेखा राठौर के द्वारा बिना सक्षम प्राधिकारी की वैध अनुज्ञा प्राप्त किए गौवंश करने वालों पर मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम एवं धारा 11(1)(घ) पशुक्रूरता अधिनियम के प्रचलित प्रकरणों मे कुल 54 निर्णीत प्रकरणों मे 165 आरोपियों से 64 वाहन तथा 396 गौवंश कुल कीमत लगभग 3,38,30,400/- (तीन करोड़ अड़तीस लाख तीस हजार चार सौ रुपये) शासन हित मे राजसात किए गए है

अपनी बात
संपादकीय

जजों की बिगड़ी जुबान!

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हलकी, अप्रासंगिक टिप्पणियों से ना सिर्फ जजों की नकारात्मक छवि बनती है, बल्कि पूरी न्यायपालिका प्रभावित होती है। स्वागतयोग्य है कि अब सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका की छवि की रक्षा करने की पहल की है।

इससे ज्यादा अफसोस की बात और क्या होगी कि सुप्रीम कोर्ट को उच्चतर न्यायपालिका के जजों को जुबान पर काबू रखने के लिए चेतावनी जारी करने पड़े! लेकिन ऐसी ही स्थिति हमारे सामने है। कर्नाटक हाई कोर्ट के जज वी. श्रीशानंद की "सांप्रदायिक" एवं "स्त्री-द्रोही" टिप्पणियों से परेशान सुप्रीम कोर्ट ने अपनी पहल पर पांच जजों की बेंच बनाई। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली इस बेंच ने बुधवार को निर्णय दिया कि जस्टिस श्रीशानंद का बेंगलुरू के एक इलाके को 'पाकिस्तान' बताना सैंवैधानिक रूप से गलत है। साथ ही कोर्ट ने जजों के लिए आम चेतावनी जारी की। कहा कि वे ऐसी हलकी टिप्पणियां ना करें, जिनसे उनके सांप्रदायिक एवं स्त्री-द्रोही पूर्वाग्रह जाहिर होते हों। जस्टिस श्रीशानंद ने एक महिला अधिवक्ता को संबोधित करते हुए महिलाओं के लिए अपमानजनक बातें कही थीं। यह सुनना अजीब लगता है, लेकिन यह अफसोसनाक स्थिति आज की हकीकत है कि जज सामान्य विवेक को आहत करने वाली बातें कह डालते हैं। जजों को कैसे बोलना चाहिए, अगर यह सुप्रीम कोर्ट को बताना पड़ रहा है, तो न्यायपालिका आज किस हाल में है, इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा- 'मामले से असंबंधित स्त्री-द्रोही या पूर्वाग्रहयुक्त अन्य टिप्पणियां करने के बजाय जजों को अनिवार्य रूप से संविधान के ऊसलों का पालन करना चाहिए।' वैसे यह सुप्रीम कोर्ट के लिए भी आत्म-मंथन का विषय है कि उसकी कॉलेजियम प्रणाली ऐसे व्यक्तियों को हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में जज बनाने की सिफारिश कैसे कर डालती है, जो बाद में इस तरह की बातें कोर्ट रूम बोलते हैं? आखिर ऐसी टिप्पणी का यह कोई अकेला मामला नहीं है। हाल के वर्षों में जजों की ओर से संविधान की भावना के खिलाफ जाकर टिप्पणियां करने के मामले बढ़ते चले गए हैं। खुद सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हलकी, अप्रासंगिक टिप्पणियों से ना सिर्फ जजों की नकारात्मक छवि बनती है, बल्कि उससे पूरी न्यायपालिका पर खराब असर पड़ता है। स्वागतयोग्य है कि अब सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका की छवि की रक्षा करने की जिम्मेदारी उठाई है। उसे इस मामले में अधिक जागरूकता दिखाने की आवश्यकता है।

आत्म-निरीक्षण की जरूरत

पड़ोसी देशों का भारत से रिश्ता वहां के किसी एक राजनीतिक खेमे पर इतना निर्भर क्यों है? इसका आधार पूरे सियासी दायरे में क्यों नहीं है? फिर उन देशों में भारत विरोधी भावनाओं के लिए खुद भारत के सत्ताधारी नेता कितने जिम्मेदार हैं?

विदेश नीति के मोर्चे पर भारत को गहरे आत्म-निरीक्षण की जरूरत है, लेकिन वर्तमान सरकार से इसकी अपेक्षा निराधार है। इस सरकार की पहचान प्रतिकूल स्थितियों में अनुकूलता के तत्व गढ़ने) की रही है। यही संकेत फिर मिला, जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर वॉशिंगटन स्थित एशिया सोसायटी के संवाद में शामिल हुए। वैसे उनसे यह सुनना कर्णप्रिय लगा कि पड़ोसी देशों की अंदरूनी घटनाएं भारत की इच्छा के मुताबिक घटे, ऐसी अपेक्षा भारत नहीं रखता। संदर्भ लगभग दो महीने पहले बांग्लादेश में हुए सत्ता पलट और इसी हफ्ते श्रीलंका में आए चुनाव नतीजों का था। पांच अगस्त को शेख हसीना के देश छोड़ने पर मजबूर होने के बाद से बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं ऊफान पर हैं। इधर समझा जाता है कि श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनूरा कुमार दिसानायके और उनकी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना परंपरागत रूप से "भारत विरोधी" रही हैं। मतलब यह कि दो महीनों के अंदर दो पड़ोसी देशों में भारतीय विदेश नीति के लिए नई चुनौतियां पैदा हुई हैं। आत्म-निरीक्षण का विषय यह होना चाहिए कि आखिर पड़ोसी देशों का भारत से रिश्ता वहां के किसी एक राजनीतिक खेमे पर इतना निर्भर क्यों है? इसका आधार पूरे सियासी दायरे में व्यापकता लिए क्यों नहीं है?

आत्म-निरीक्षण का दूसरा विषय है कि उन देशों में भारत विरोधी भावनाओं के लिए खुद भारत के सत्ताधारी नेता कितने जिम्मेदार हैं? अभी हाल में गृह मंत्री अमित शाह झारखंड में चुनाव प्रचार में गए, तो वहां उन्होंने बांग्लादेशियों के बारे में कुछ ऐसा कहा, जिससे बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं फिर भड़क उठीं। शाह पहले भी बांग्लादेशियों के लिए "दीमक" जैसे शब्द बोल चुके हैं। इसी तरह तमिलनाडु में चुनाव के मौके पर प्रधानमंत्री ने कच्चतिवू द्वीप का मसला जोरशोर से उठाया था, जिसको लेकर श्रीलंका में तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। विडंबना यह है कि चुनाव के बाद कच्चतिवू के सवाल को भुला दिया गया। सत्ता के शिखर पर बैठे नेता जब चुनावी गणना के मुताबिक दूसरे देशों से संबंधित मुद्दे गरमाते हैं, तो क्या उन्हें इसके उन देशों में संभावित असर का ख्याल नहीं रहता? ऐसे बिंदुओं पर जयशंकर चुप ही रहे।

■ शंकर शरण

भारत एक 'गप्पी गाय' है

हमारे नेता नियमित रूप से प्रोपेगंडा, उपदेश, दिखावे, आदि करते रहते हैं। जबकि वास्तव में ताउम्र गद्दीनशीनी और तरह-तरह से दोहन की फिक्र में रहते हैं। यह स्वतंत्र भारत में शुरू से ही स्थापित मॉडल बन चुका है। सामान्य राजकाज अफसरों पर छोड़ा रहता है, जो उसे अपनी स्थिति, प्रवृत्ति और अवसरवादिता से जैसे-तैसे चलाते हैं। विभिन्न दलों और नेताओं में यही आम नमूना है। जो भी अंतर, वह मात्र डिग्री व रूप का है।

इसलिए क्योंकि भारत के नेता ही किसी देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। और हमें 'गप्पी गाय' की उपाधि चीनी नेता माओ ने दी थी। पड़ोसी होने के नाते विविध प्रसंगों, अनुभवों पर ही उन्होंने अपनी राय बनाई होगी। माओ के अनोखे मुहावरों का प्रायः कोई स्पष्टीकरण नहीं मिलता। उन का आशय अनुमान से ही समझना होगा।

वैसे, मुहावरे के दोनों शब्द सरल हैं। उन्हें मिलाकर अर्थ कुछ यही बनता है कि हम लोग बातें बनाने वाले, परन्तु दरअसल निरीह, नासमझ, और निकम्मे हैं। हमारे नेताओं की बातों और काम में 'कुछ भी प्रमाणिक (ऑथेन्टिक), गंभीर (सिन्सियर), या निःस्वार्थ (डिसइन्टेरेस्टेड) नहीं रहा है', यह हमारे भी एक विद्वान ने 1952 में ही पाया था जिन की दृष्टि विशाल और पैनी थी।

सो, यह दुःखद चरित्र स्वतंत्र भारत में आरंभ से बना, जो ब्रिटिश-राज के ठीक विपरीत था! ब्रिटिश शासक और अफसर यहाँ अपनी नीति, कानून और प्रशासन में कभी भी दिखावटी, भीरू या भ्रष्ट नहीं रहे थे। यह सभी भारतीय भी मानते थे। जबकि हमारे नेताओं की बातें प्रायः ऊपरी, कर्महीन, तथा उपदेशात्मक रही हैं। जिन का वास्तविक सामाजिक, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय हालातों से कम ही लेना-देना रहा। फलस्वरूप किसी मामले पर सही उपाय ढूँढ कर लगने, जरूरी कदम लेकर खतरे उठाने से भी उन का संबंध नहीं रहता।

अप्रत्याशित या प्रत्याशित विकट घटनाओं पर भी लीपापोती करने, या शुतुरमुर्ग-सा सिर छिपा समय गुजारने की प्रवृत्ति उन में रही है। अर्थात, अपवाद छोड़ हमारे नेताओं में नीति-निर्माण और शासन की समझ तक नहीं रही है। इसी को माओ और आइजनहावर जैसे विदेशी नेताओं ने हैरत से देखा था! पहले गाँधीजी हिटलर को उपदेश लिखते थे, तो बाद में नेहरू अमेरिका को उसी के देश में लेक्चर पिलाते थे। कोई अपने धज-प्रवचनों से 'दूसरा जीसस' होने, तो कोई बस कबूतर उड़ा कर 'विश्व-शांति का मसीहा' होने का गुमान रखते थे। जबकि अपने देश-समाज की भी असलियत देखने की सूझ उन्हें न थी!

अतः उन के 'गप्पी गाय' होने की उपमा ठोस अनुभव, अवलोकन पर बनी थी। क्या आज भी वह गलत लगता है? हमारे नेता नियमित रूप से प्रोपेगंडा, उपदेश, दिखावे, आदि करते रहते हैं। जबकि वास्तव में ताउम्र गद्दीनशीनी और तरह-तरह से दोहन की फिक्र में रहते हैं। यह स्वतंत्र भारत में शुरू से ही स्थापित मॉडल बन चुका है। सामान्य राजकाज अफसरों पर छोड़ा रहता

है, जो उसे अपनी स्थिति, प्रवृत्ति और अवसरवादिता से जैसे-तैसे चलाते हैं।

विभिन्न दलों और नेताओं में यही आम नमूना है। जो भी अंतर, वह मात्र डिग्री व रूप का है। वही अनुकरण नीचे तक अनुयायी करते हैं। सोशल मीडिया में भी इस के अंतहीन उदाहरण रोज दिखते हैं - परनिन्दा, शेखी, और हर विषय पर इन्सटेंट ज्ञान। यह सब हम ने कहाँ से सीखा? अपने नेताओं से। वे ही संपूर्ण वाद-विवाद, तेश-तुर्शी को निर्देशित करते हैं।

भारत में राष्ट्रीय विमर्श सदैव नेताओं द्वारा प्रवर्तित व नियंत्रित रहा है। समाजवाद, सेक्यूलरवाद से लेकर जातिगणना, और कण-कण में छीन-झपट के आरक्षण की सारी बातें व गतिविधियाँ सदैव ऊपर से चली हैं। विवेकशील, कर्मठ और न्यायपरक अधिकारियों का स्थान अंग्रेजी राज के साथ ही जाता रहा था। चाटुकार, अवसरवादी और भ्रष्टाचारी लगभग फौरन छा गये थे।

अतः स्वतंत्र भारत का इतिहास माओ के अवलोकन की पुष्टि ही करता है। गाँधीजी के खलीफत भाषणों, 'एक वर्ष में स्वराज ले लेंगे' से लेकर, 'मैंने सेना को कह दिया है कि चीनियों को सीमा से बाहर फेंक दें', और आज के 'अच्छे दिन आ गये' जैसे दावों में समान तत्व क्या है?

बड़बोलापन;गंभीर मामलों पर भी नासमझी का प्रदर्शन; समस्या को ठीक-ठीक जानने से भी बेपरवाह बस मन की तरंग से आसान हल देने की नीम-हकीमी;ठोकर खाकर भी अनुभव से कुछ न सीखना; अपनी करनी के कुपरिणाम की जिम्मेदारी न लेना; सच्ची समीक्षा न करना न करने देना; नेतृत्व में अपनी ताउम्र अपरिहार्यता मान कर चलना; देश-विदेश के दबंग शत्रुओं से नजर बचाना; उन पर बोलने से भी कतराना; तथा, इन तमाम आदतों से हो रही राष्ट्रीय हानियों पर पर्दा डालना।

यदि उक्त आकलन सही हो, तो हम ने अपने को 'गप्पी गाय' से भिन्न क्या दिखाया? अभी देश में एक संगठन अपने को दुनिया का सब से बड़ा बताता है। कभी राष्ट्रवादी, तो कभी हिन्दूवादी बनता है। उन के नेता कहते हैं "हमारा संगठन तीन दिन में ऐसी सेना तैयार कर सकता है जो युद्ध लड़ सके"। लेकिन कश्मीर से लेकर केरल, कर्नाटक, बंगाल और दिल्ली, जम्मू तक, जब भी निरीह हिन्दू सामूहिक या अलग-अलग पीड़ित, अपमानित होकर मारे भी जाएं तो इन का एक सुसंगत बयान भी नहीं आता।

मौके पर पहुँच कर लड़ना, जुटना तो दूर रहा! तब उन के लोग बेधड़क कहते हैं कि 'हमारा काम लड़ना नहीं, लड़ने के लिए कहना' है। जबकि उन की अपनी राजनीतिक पार्टी भी है, जो दशकों से यहाँ वहाँ सत्ताधारी भी है। शेखी बघारने में वे सब को मात देते हैं, पर हर विकट प्रसंग में मुँह सी लेते हैं। इस से अधिक प्रतिनिधि 'गप्पी गाय' का उदाहरण क्या हो सकता है!

निस्संदेह, सभी लोकतंत्रों में नेतागण लफ्फाजी करते हैं। अपने शब्दजाल से लोगों को लुभाकर वोट लेना, फिर सत्ता पाकर पदों, संसाधनों की बंदर-बाँट उन का प्रधान काम है। लेकिन अमेरिकी, यूरोपीय लोकतंत्रों में नेताओं ने लफ्फाजी करने में राष्ट्रीय हित के गंभीर विषयों की एक सीमा रखी है।

उन के नेता कुछ गंभीर बिन्दुओं पर एक सर्वदलीय सहमति रखते हैं, ताकि उन की प्रतिद्वंद्विता में समाज की क्षति न हो। उस की तुलना में, भारतीय नेताओं की लफ्फाजियाँ निस्सीम रही हैं। वे अपनी झक में दर्शन, नैतिकता, धर्म और इतिहास भी विकृत करते रहते हैं। तब चालू नियम-कानून और सामाजिक हित तो छोटी चीजें हैं।

यह स्वतंत्र भारत में एक स्थाई दृश्य है। आज तो यदि किसी मुद्दे पर किसी ने कोई सत्याभासी बयान भी दे दिया, तो कुछ लोग उत्साह या आक्रोश से बावले होने लगते हैं। चाहे वह बयान आधा-अधूरा, अनावश्यक या दोषपूर्ण ही क्यों न हो! विशेषकर, सेक्यूलरिज्म वाले मुद्दों पर यह अधिक होता है। पर अन्य विषय भी हैं, जिस पर किसी नेता की सहज अभिव्यक्ति हलचल पैदा करती है। मानो, यह अपने-आप में उपलब्धि या अपराध हो!

हाल में एक सांसद द्वारा किसान आंदोलन के नकारात्मक पहलुओं पर एक बयान उस का उदाहरण है।

उन की पार्टी ने ही उन की सार्वजनिक खिंचाई की। मानो सांसद ने अपने मन की बात कह कर कोई अपराध कर दिया! जबकि उसी पार्टी का आई-टी सेल महीनों तक किसान आंदोलन पर वही बातें और अतिरंजित प्रचारित करता रहा था। उन के छोटे नेता व कार्यकर्ता उन्हीं मीम और पोस्टों को खूब शेयर करते थे। मानो, वह आंदोलन उन के अखंड प्रचार से ही ध्वस्त हो जाएगा!

लेकिन उल्टा हुआ। अंततः उन की पार्टी ने ही किसान आंदोलन के सामने हथियार डाल दिए। तब सोशल मीडिया पर उन के समर्थकों और पत्रकारों पर घड़ों पानी पड़ गया। कुछ ने नेताओं के पिद्दीपन पर भड़ास भी निकाली। फिर, यहाँ के चलन अनुसार सब कुछ आयी-गयी बात हो गई।

यही चीज ध्यान देने की है - प्रोपेगंडा, दोहरापन और गैरजिम्मेदारी। हमारे नेताओं, बौद्धिकों, और उन के समर्थकों में कोरी बातों, ढंग-अंदाज, और अपने बोल पर खुद फिदा हो जाने का रोग है। साथ ही, विकट समस्याओं, यहाँ तक कि घटनाओं से भी मुँह चुराने, तथा अपने काम के दुष्परिणाम की जिम्मेदारी लेने से भागने का भी। यह सब शेष दुनिया को दिखता रहता है। केवल हमें नहीं दिखता।

■ रजनीश कपूर

तनाव, वर्कलोड लेने का नहीं देने का!

'मुन्ना भाई एमबीबीएस' का एक डायलॉग काफ़ी हिट हुआ था जिसमें वो हर किसी को न घबराने की सलाह देते हुए कहते थे 'टेंशन लेने का नहीं - देने का'।...एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाली 26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट ऐनामात्र चार महीने की नौकरी में यह दबाव इतना बढ़ गया कि इस दबाव ने ऐना की जान ले ली।...हर युवा व वरिष्ठ कर्मचारी को 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' फ़िल्म से सीख लेते हुए 'टेंशन न लेने' की आदत डाल लेनी चाहिए।

संजय दत्त की बहुचर्चित फ़िल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' का एक डायलॉग काफ़ी हिट हुआ था जिसमें वो हर किसी को न घबराने की सलाह देते हुए कहते थे 'टेंशन लेने का नहीं - देने का'। परंतु शायद उस फ़िल्म में दिये गये संदेश को कुछ लोग गंभीरता से नहीं ले सके। इसीलिए वे मामूली से तनाव को इतना बढ़ा लेते हैं कि वह कभी-कभी जानलेवा भी साबित हो जाता है। इस फ़िल्म ने कठिन परिस्थितियों को गंभीरता से न लेने की सलाह दी। परंतु आजकल के 'वर्क प्रेशर' व प्रतिस्पर्धा के चलते हर दूसरा व्यक्ति तनाव में दिखाई देता है। इस तनाव का असर न सिर्फ़ उसकी सेहत पर पढ़ता है बल्कि उसके पारिवारिक जीवन में भी तनाव पैदा हो जाता है।

पिछले दिनों सोशल मीडिया पर पुणे की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाली 26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट ऐना सेबेस्टियन की माँ की चिट्ठी काफ़ी चर्चा में रही। भारत में इस कंपनी के अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में ऐना की माँ ने इस बात का उल्लेख किया कि किस तरह उनकी पुत्री पर कंपनी ने काम का दबाव बनाया हुआ था। मात्र चार महीने की नौकरी में यह दबाव इतना बढ़ गया कि इस दबाव ने ऐना की जान ले ली। इस दबाव का एक स्पष्ट उदाहरण तब भी दिखा जब ऐना के अंतिम संस्कार में कंपनी में काम करने वाले सहकर्मी भी नहीं पहुँचे। जैसे ही ऐना की माँ का यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ,

वैसे ही इस बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम कर चुके पूर्व कर्मचारियों ने अपने भयानक अनुभव भी साझा किए। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ा वैसे ही कंपनी की ओर से 'वर्क प्रेशर' का खंडन किया गया। इसके साथ ही सरकार ने भी इस मामले में जाँच बैठा दी है।

ऐना की मृत्यु ने आज के कॉर्पोरेट जगत में कई सवाल खड़े कर दिये हैं। इस दुखद घटना के बाद कई तरह की प्रतिक्रियाएँ भी आ रही हैं। दरअसल 'वर्क प्रेशर' के बढ़ते हुए तनाव के कारण दुनिया भर से ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जहां प्रतिस्पर्धा की दौड़ में आगे रहने के चलते कई लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। चीन में एक व्यक्ति ने लगातार 104 दिनों तक बिना किसी छुट्टी के काम किया और अंततः शरीर के कई अंगों की विफलता के कारण उसकी मौत हुई। वहाँ की अदालत ने उस व्यक्ति की कंपनी को उसकी मौत का 20 प्रतिशत तक ज़िम्मेदार ठहराया। वहीं अमरीका के एक बैंक कर्मचारी की मृत्यु का कारण भी उसके काम का दबाव ही बना। ऐसे अनेकों उदाहरण हैं जहां कर्मचारियों से अधिक काम करवाने के चलते ऐसे हादसे हो रहे हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आँकड़ों के अनुसार दुनिया भर में काम के दबाव व तनाव के चलते प्रतिवर्ष क़रीब 7.50 लाख लोगों की मृत्यु होती है। ऐसा इसलिए होता है कि अधिक काम करने का सीधा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। काम का तनाव लेने से मनुष्य में हृदय रोग, डायबिटीज़ व स्ट्रोक जैसी घातक बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। इतना ही नहीं आज के सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में जब हम घंटों कंप्यूटर के सामने बैठ कर काम करते हैं तो हमारे जोड़ो में जकड़न, कमर में दर्द, सरदर्द, आँखों में थकान, जैसे प्रारंभिक लक्षण भी दिखाई देते हैं। तनाव के चलते हमारे शरीर में ऐसे रसायन पैदा हो जाते हैं जो रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल को भी बढ़ा देते हैं। इसलिए हम चिड़चिड़े भी हो जाते हैं।

तनाव के चलते जब गाड़ी चलाकर हम अपने दफ़्तर से घर या घर से दफ़्तर जा रहे होते हैं तो ऐसे में दुर्घटना होने की संभावना भी बढ़ जाती है। मोबाइल फ़ोन और ईमेल के चलते हम हर समय अपने काम से जुड़े रहते हैं इसलिए हमें काम से आराम नहीं मिल पाता। ऐसे तनाव का सीधा अनुभव आपको उस समय होता होगा जब आपके मोबाइल पर आपके बॉस का फ़ोन बजता होगा। आप यदि अपने घर पर हों और परिवार के साथ समय बिता रहे हों, तभी आपके बॉस का फ़ोन बजे तो आपके चेहरे पर एक अजीब से तनाव की झलक मिल जाती है। ऐसे में पारिवारिक सुख को भी झटका लगता है।

जानकारों के अनुसार, सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करने वालों में तनाव बढ़ने की संभावना अधिक होती है। यह तनाव अन्य बीमारियों को बढ़ावा देता है। परंतु इसका मतलब यह नहीं है कि आपको कामयाब होने के लिए कम मेहनत करनी चाहिए। बिना मेहनत के किसी को कामयाबी नहीं मिलती। इसलिए हमें परिश्रम और अतिश्रम के बीच एक को चुनना चाहिए। परिश्रम किया जाए तो एक सीमा के तहत ही किया जाए। आपको अपने शरीर की क्षमता अनुसार ही काम करना चाहिए। समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जाँच भी करवाते रहना चाहिए। इसके साथ ही नियमित रूप से तनाव-मुक्ति के कई साधन, जैसे योगा, ध्यान, भजन, मनोरंजन आदि का भी सहारा लेना चाहिए।

वहीं अगर इम्प्लॉयर की बात करें तो उन्हें भी अपने लक्ष्य की पूर्ति के चलते कर्मचारियों पर दबाव बनाना पड़ता है। परंतु यह दबाव भी एक सीमा तक ही दिया जाए। आज हमारे समाज को काम और आराम के बीच एक संतुलन बनाने की ज़रूरत है। वरना ऐना सेबेस्टियन जैसे कई और होनहार कर्मचारियों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ेगा। आजकल के युवा भी जल्द कामयाबी पाने के चक्कर में काम और आराम में संतुलन नहीं बना रहे हैं। इसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसलिए हर युवा व वरिष्ठ कर्मचारी को 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' फ़िल्म से सीख लेते हुए 'टेंशन न लेने' की आदत डाल लेनी चाहिए।

एसएनसीयू की टीम के प्रयास से नवजातों को मिल रहा नया जीवन

2 लाख से अधिक बच्चों का विगत डेढ़ वर्ष में किया गया उपचार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि एसएनसीयू की समर्पित टीम और नर्सिंग स्टाफ की कड़ी मेहनत और अथक प्रयासों के कारण हम कई नवजातों की जान बचाने में सफल हो रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि स्वास्थ्य सेवाओं को नवजातों और गर्भवती महिलाओं तक प्रभावी ढंग से पहुँचाया जाए। एसएनसीयू हमारे इस संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभा रही है। सरकार की कोशिश है कि शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर को कम करते हुए राज्य को स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी बनाया जाए।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने एसएनसीयू से प्राप्त सेवाओं से प्राप्त परिणामों पर आशा व्यक्त की है कि वे इसी समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ काम करते रहेंगे। एसएनसीयू की ये सफल कहानियाँ सरकार की समर्पित नीति और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम हैं। इन प्रयासों से राज्य के स्वास्थ्य मानकों में निरंतर सुधार हो रहा है, जो एक स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है।एसएनसीयू (स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट) मध्यप्रदेश में नवजात शिशुओं की विशेष देखभाल में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अत्याधुनिक सुविधाओं और समर्पित चिकित्सकीय टीम की बदौलत, यहां नवजातों को जीवनरक्षक देखभाल दी जा रही है, जो राज्य के स्वास्थ्य ढांचे को और मजबूत बना रही है।

रतलाम के नवजात का सफल इलाज-मेडिकल कॉलेज रतलाम में 7 अगस्त 2024 को गर्भवती महिला श्रीमती राधा पति सुरेश को भर्ती किया गया था, जिनका समय पूर्व प्रसव हुआ। नवजात शिशु का वजन मात्र 835 ग्राम था और उसे सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। एसएनसीयू की टीम ने तुरंत बच्चे को वेंटिलेटर पर रखा और जीवनरक्षक दवाइयां शुरू कीं। 5 दिनों बाद, नवजात की स्थिति में सुधार आया और उसे वेंटिलेटर से हटा दिया गया। कंगारू मदर केयर के तहत नवजात का वजन 48 दिनों में बढ़ाकर 1 किलो 300 ग्राम किया गया और उसे सफलतापूर्वक डिस्चार्ज किया गया।

कंगारू मदर केयर से स्वस्थ हुई बड़वानी की नवजात बालिका बड़वानी जिले के ललवानिया गांव की प्रमिला पति रमेश की बच्ची का जन्म 900 ग्राम वजन के साथ हुआ। उसे गंभीर स्थिति में एसएनसीयू में भर्ती किया गया, जहाँ उसकी हालत बेहद नाजुक थी। बच्ची को 6 दिन वेंटिलेटर पर रखा गया और कंगारू मदर केयर के माध्यम से उसकी स्थिति में सुधार हुआ। अंततः 2 महीने के उपचार के बाद बच्ची का वजन 1 किलो 400 ग्राम हो गया और उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि कंगारू मदर केयर (केएमसी) एक ऐसी तकनीक है जिसमें समय से पहले जन्मे या कम वजन वाले शिशुओं को मां या किसी अन्य देखभालकर्ता की छाती पर त्वचा से त्वचा का संपर्क कराया जाता है। इसमें स्तनपान कराना भी शामिल हैं।राज्य में 62 एसएनसीयू हैं संचालित-वर्तमान में राज्य में 62 एसएनसीयू संचालित हैं, जिनमें 1 हज़ार 654 बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध है। 2023-24 में 1 लाख 31 हज़ार 130 नवजातों का सफलतापूर्वक उपचार किया गया, जबकि 2024-25 में (अप्रैल से 31 अगस्त तक) 56 हज़ार 558 नवजातों का इलाज हुआ। राज्य सरकार ने नवजात देखभाल सेवाओं को उप-जिला स्तर तक बढ़ाते हुए 199 ह्क्स्ह्य (न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट्स) भी स्थापित की हैं, जिनमें 796 बिस्तर उपलब्ध हैं। वर्ष 2023-24 में 38 हज़ार 392 नवजात शिशुओं का उपचार किया गया, जबकि 2024-25 (अप्रैल से 31 अगस्त 2024 तक) कुल 14 हज़ार 858 नवजातों का इलाज किया गया है।

वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों का आगामी 15 दिनों में सुधार कार्य करायें जाने के निर्देश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि जिले में कई स्थानों पर भारी वर्षा के कारण सड़कें सुधार योग हो गयी हैं। कई पुलों में भी सुधार की आवश्यकता है। सड़कों पे वाहनों का लगातार दबाव रहता है। विशेष अभियान चलाकर क्षतिग्रस्त सड़कों का 15 दिवस में सुधार करायें। उन्होंने कहा कि मुख्य सड़कों, जिला मार्गों तथा शहर की सड़कों में सुधार कार्य तत्काल शुरू करें। वर्षा के कारण जिन सड़कों में कटाव हुआ है और इनमें गढ्डे हो गये हैं उनका भी सुधार प्राथमिकता से करें।

बैठक में कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग, एमपीआरडीसी, सेतु निर्माण तथा राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान चलाकर आगामी दो सप्ताह में अपने विभाग की सड़कों को दुरूस्त करायें। पुल-पुलियों की एप्रोच रोड को भी प्राथमिकता से सुधारें। पुल-पुलियों के क्षतिग्रस्त होने पर उनमें सुधार के कार्य करायें। बैठक में कार्यपालन यंत्री वसीम खान, शैलेन्द्र दुबे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

करैरा थाना प्रभारी विनोद सिंह छावई–भास्कर प्राइड से सम्मानित

पुष्पांजलि टुडेसे सतीश परिहार

करैरा- दैनिक भास्कर समूह द्वारा आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में करैरा थाना प्रभारी विनोद सिंह छावई को %भास्कर प्राइड सम्मान से नवाजा गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री एवं शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन, पिछोर विधायक प्रीतम लोधी और पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ भी उपस्थित रहे और सभी ने उनके कार्यों की सराहना की, जो पुलिस प्रशासन की मेहनत और समर्पण को उजागर करता हैथाना प्रभारी विनोद सिंह छावई को यह सम्मान उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया गया समारोह में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों ने उनके कार्यों की सराहना की, जो पुलिस प्रशासन की मेहनत और समर्पण को उजागर करता है..!!!

भूमाफियों पर चला मैहर कलेक्टर का चाबुक,फर्जी तरीके से भूमि अपने नाम कराकर बनाया था KCC, संज्ञान में आने पर जिला कलेक्टर ने फर्ज़ी पट्टे को किया निरस्त

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मैहर। जिले में फर्जीवाड़े के मामले कम होने के नाम नही ले रहे हैं कभी गरीबो की बेशकीमती जमीन को अपने नाम करना तो कभी शासकीय भूमि को हथियाना ये मैहर में आम बात है आज जिला कलेक्टर ने एक बड़ी कार्यवाही करते हुए ड़र्ज़ी पट्टे को निरस्त कर है। जानकारी के मुताबिक मैहर तहसील के ग्राम पटेहरा की शासकीय अराजी न.07 रकवा 3.937 जो कि 2017-18 में फर्जीवाड़ा करके उक्त अराजी कमल सिंह पिता चिढढे सिंह गोंड निवासी घोटारी के नाम दर्ज कर दी गयी थी जबकि यह खसरा 2007 शासकीय भूमि दर्ज थी मगर बडी हेराफेरी से भूमि को कमल सिंह के नाम कर दी गयी, साथ ही वर्ष 2019 में मध्यांचल ग्रामीण बैंक भदनपुर से केसीसी राशि 3 लाख रु स्वीकृति की गई, जिसके बाद न्यायालयीन जांच में यह भू खंड किसी और व्यक्ति के नाम दर्ज होने पाया गया जिसके बाद एसडीएम मैहर विकास सिंह ने जिला क्लेक्टर के निर्देश पर इस भूमि का पट्टा निरस्त करते हुए वापस से शासकीय किया गया।

युवा पीढ़ी को नशे से बचाकर ही विन्ध्य का विकास सार्थक बनेगा - उप

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। गत दिवस कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित नशामुक्ति कार्यशाला में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा सहित पूरा विन्ध्य तेजी से विकास कर रहा है। बाणसागर बांध की नहरों से खेती का तेजी से विकास हुआ है। इसके साथ-साथ फोरलेन सड़कें, रेलमार्ग, एयरपोर्ट सहित अधोसंरचना का विकास हो रहा है। यह पूरा विकास निरर्थक साबित होगा अगर हमने युवा पीढ़ी को नशे से नहीं बचाया। हर आयु वर्ग के व्यक्ति को नशे के विष से बचाने के लिए पूरे विन्ध्य में लगातार जागरूकता अभियान चलाएं। शिक्षण संस्थाओं में नियमित रूप से नशे से बचाव के कार्यक्रम आयोजित करें। प्रशासनिक स्तर पर नशे के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही लगातार की जा रही है। विन्ध्य को नशामुक्त बनाने के लिए हर व्यक्ति योगदान दे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के शिकार व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए संजय गांधी हास्पिटल में 15 बेड का तथा समाजसेवी संस्था निवेदिता में भी 15 बेड का नशामुक्ति वार्ड है। संजय गांधी हास्पिटल में शीघ्र ही नशामुक्त बेडों की संख्या 40 की जाएगी। इसमें उपचार के साथ-साथ काउंसलिंग की भी व्यवस्था होगी। मेडिकल नशा रोकने के लिए इसके सप्लायर के साथ-साथ इनके मूल स्त्रोत पर भी कार्यवाही करें। कार्यशाला में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि संभाग के सभी जिलों में शराब, कोरेक्स, गांजा तथा अन्य नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। सामाजिक न्याय विभाग अन्य विभागों तथा सामाजिक संगठनों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित कर रहा है। अभिभावक भी

अपने बच्चों को उचित मार्गदर्शन दें। उनसे सतत संवाद रखें। यदि कोई बच्चा नशे की राह पर चला गया है तो उसे उपचार एवं काउंसलिंग के माध्यम से नशे से मुक्त कराने का प्रयास करें। कार्यशाला में आईजी एमएस सिकरवार ने कहा कि पूरे संभाग में पिछले छ्ः महीने में नशे के विरूद्ध प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान पुलिस ने एक लाख 77 हजार शीशी कोरेक्स, 20 क्विंटल 600 ग्राम गांजा जप्त किया है। नशे से जुड़े 9.25 करोड़ का ट्रांजेक्शन पकड़ा गया है। कोरेक्स के प्रमुख सप्लायर को सागर से गिरफ्तार किया गया है। ग्वालियर और दिल्ली के होलसेल सप्लायरों पर भी शिकंजा कसा जा रहा है। कार्यशाला में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि नशे के सौदागरों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। मेडिकल स्टोर का लाइसेंस देते समय पूरी जाँच पड़ताल की जाए। जिन दवाओं का नशे के रूप में उपयोग होता है उनका फैक्ट्री से निर्माण होने से लेकर वितरण तक यूनिक रजिस्ट्रेशन नम्बर से ट्रैकिंग की जाए। नारकोटिक्स आधारित दवाओं के भण्डारण की सीमा भी निर्धारित रहे। नशे पर प्रभावी रोक लगाने के लिए इसके आर्थिक और सामाजिक पहलू पर भी ध्यान देना आवश्यक है। कार्यशाला में संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे ने बताया कि देश में 16 करोड़ लोग किसी न किसी तरह के नशे की गिरफ्त में हैं। यह कुल जनसंख्या का 14.6 प्रतिशत है। इनमें से 5 करोड़ 70 लाख को उपचार की आवश्यकता है। नशे के शिकार व्यक्तियों में से 23.7 प्रतिशत पुरूष तथा 1.6 प्रतिशत महिलाओं को शराब के नशे की आदत है। लगभग 3.1 करोड़ लोग गांजे और मेडिकल नशे के शिकार हैं। नशामुक्ति के लिए कई स्तरों पर कार्य करने की आवश्यकता है। नशे की सप्लाई चेन को तोड़ना, नशे के शिकार व्यक्तियों का पुनर्वास तथा भावी पीढ़ी को नशे की राह में जाने से रोक कर ही नशामुक्ति के प्रयास सफल होंगे। बैठक में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी नशामुक्ति के संबंध में उपयोगी सुझाव दिए। कार्यशाला में अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, अपर कमिश्नर अरूण परमार, डीन मेडिकल कालेज डॉ सुनील अग्रवाल, संयुक्त संचालक शिक्षा एसके त्रिपाठी, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा आरपी सिंह, संभागीय समन्वयक जन अभियान परिषद प्रवीण पाठक, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, विद्यार्थी एवं सामाजिक संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे।

रीवा सांसद ने कहा बीजेपी में आने से सिद्धार्थ परिवार का खुला खाता,जनार्दन ने कई आरोप त्यौंथर विधायक पर लगाए

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले में भाजपा विधायक और भाजपा सांसद के बीच जुबानी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा अपने बयान को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में आए हैं। आपको बता दें इस बार उन्होंने भाजपा विधायक सिद्धार्थ तिवारी पर कई गंभीर आरोप लगाए है।रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने लोकसभा चुनाव के दौरान लोगों को भाजपा में शामिल होने से रोका है, संसद का यह बयान उसे समय आया जब भाजपा सदस्यता अभियान चला रही है, सिद्धार्थ तिवारी की तरफ से इस बयान को लेकर कोई भी बयान सामने नहीं आया है।सांसद जनार्दन मिश्रा ने आगे कहा कि मैं विधानसभा चुनाव में सिद्धार्थ तिवारी का पूरा सहयोग किया था, लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान सिद्धार्थ तिवारी ने भाजपा में आने की इच्छा रखने वाले लोगों को पार्टी में आने से रोका था। जबकि पार्टी के स्पष्ट निर्देश थे कि जो भी लोग पार्टी में शामिल होना चाहते हैं।उन सभी को शामिल कर लिया जाए, सिद्दार्थ ने ऐसा क्यों किया, इस बात की जानकारी हमें नहीं है,आगे उन्होंने कहा विधायक सिद्धार्थ से मेरी व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी। लेकिन उनके बाबा श्रीवास तिवारी जो कांग्रेस के नेता थे, जब भी मैं उनके कार्यकाल के बारे में बोलता हूं तो सिद्धार्थ तिवारी को बुरा लगता है।दिवंगत श्रीवास तिवारी कांग्रेस पार्टी के नेता थे जो कि मेरी विरोधी पार्टी है, इस नाते मेरा उनके कार्यकाल के बारे में बोलना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि यह गलत नहीं है मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूंकांग्रेस का कार्यकर्ता नहीं है लगातार पराजय के बाद सिद्धार्थ तिवारी के परिवार में जीत का खाता खुलवाया है मैं उनको बधाई देता हूं। आपको बता दें कि यह बयान खुद सांसद ने ही दिया है।

मैहर बरही मार्ग महानदी पुल के बंद होने से जनता त्रस्त, आंदोलन की चेतावनी

स्थानीय लोग लंबे समय से हो रही परेशानी के कारण सड़क पर उतरने की कर रहे तैयारी,प्रशासन से जल्द समाधान की मांग

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मैहर। सतना उमरिया मार्ग मैहर बरही के बीच महानदी में बने पुल के बंद होने के कारण स्थानीय लोग और यात्री गहरे संकट में हैं। लोगों का कहना है कि पुल की मरम्मत में हो रही देरी से उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। इस समस्या से परेशान होकर लोगों ने आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। पुल के बंद होने से हजारों लोग प्रतिदिन आने-जाने में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। इसके कारण उन्हें वैकल्पिक मार्गों से लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, जो न केवल समय का अपव्यय है, बल्कि आर्थिक बोझ भी बढ़ा रहा है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि इसका असर उनके व्यवसाय पर भी पड़ रहा है क्योंकि ग्राहकों की आवाजाही कम हो गई है।जनता की प्रतिक्रिया स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार

प्रशासन से पुल को फिर से खोलने या मरम्मत करने की गुहार लगाई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी के चलते उन्होंने आंदोलन करने का फैसला किया है। एक स्थानीय नागरिक ने कहा, ÷हमारे पास अब कोई और विकल्प नहीं बचा है। अगर प्रशासन ने हमारी बात नहीं सुनी, तो हमें सड़कों पर उतरना पड़ेगा। बताया जा रहा है सरकार से फंड न मिलने के कारण पुल की मरम्मत नहीं हो पा रही है जिसका खामियाजा करीब 2वर्ष से क्षेत्रीय जनता भुगत रही है!आंदोलन की योजना स्थानीय संगठनों और कई राजनीतिक दलों ने आंदोलन का समर्थन किया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही पुल को नहीं खोला गया, तो बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और चक्का जाम अमरण अनशन किया जाएगा। आंदोलन की तारीख और रूपरेखा की घोषणा जल्द होगी।वही आने वाली 30 तारीख को बड़े पैमाने पर सांकेतिक धरना होंगा अगर प्रशासन जल्द निराकरण नही करता तो कई गांव की क्षेत्रीय जनता अमरण अनशन की राह पकड़ेगी ! ग्रामीणों ने हजारों की संख्या में सीएम हेल्पलाइन में गुहार लगाकर अपनी आवाज प्रदेश के मुख्यमंत्री के कानों तक पहुंचाने का प्रयास किया है, महानदी पुल की बंदी से उत्पन्न संकट का समाधान कब होगा, यह सवाल बना हुआ है। जनता आंदोलन की चेतावनी देकर प्रशासन पर दबाव बना रही है। अब यह देखना बाकी है कि प्रशासन इस मामले को किस तरह से हल करता है।

जिला चिकित्सालय औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे प्रभारी मंत्री, गंदगी देख व्यक्त की नाराजगी आउटसोर्स कंपनी पर प्रकरण हुआ दर्ज

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी / ऊर्जा मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर आज रात के समय जिला चिकित्सालय में औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे और चिकित्सालय में साफ सफाई का जायजा लिया तब गंदगी देखकर नाराजगी व्यक्त की और तत्काल संबंधित पर कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला चिकित्सालय शिवपुरी के मेडिकल वार्ड एवं शिशुरोग वार्ड में निरीक्षण के दौरान जब शौचालय में गंदगी देखी। तो सिविल सर्जन से भी इस संबंध में चर्चा की। साफ सफाई व्यवस्था की लिए जिन सफाई कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है उनके द्वारा सक्रियता से सही ढंग से काम किया जाए अन्यथा उन्हें काम पर न रखा जाए। इस तरह की गंदगी से संक्रमण की भी संभावना रहती है। अस्पताल में साफ सफाई पर विशेष ध्यान होना चाहिए। जिला चिकित्सालय में सफाई का ठेका आउटसोर्स कंपनी को दिया गया है जिसमें मै सिग्मा इन्फोटेक रु एमपी नगर भोपाल की आउटसोर्स कंपनी द्वारा काम किया जा रहा है परंतु संबंधित द्वारा जिला चिकित्सालय में साफ सफाई पर ध्यान नहीं दिया गया है। इस प्रकार की लापरवाही पर आउटसोर्स कंपनी में मै सिग्मा इन्फोटेक के विरुद्ध धारा 271 272 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

अनुशासन की मिसाल- करैरा में समय पर कार्यालय पहुंचते हैं राजस्व अधिकारी

दैनिक पुष्पांजलि टुडे से सतीश परिहार

करैरा- आमतौर पर राजस्व विभाग की छवि नकारात्मक मानी जाती है, लेकिन करैरा में स्थित राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों की कर्तव्य परायणता इस धारणा को बदलने में मदद कर रही हैहाल ही में एक वीडियो क्लिप में करैरा तहसील कार्यालय का दृश्य देखा गया, जहां तहसीलदार कल्पना शर्मा ने निर्धारित समय सुबह 10 बजे पर कार्यालय में प्रवेश किया और तुरंत अपने कार्यों में जुट गईं इसी तरह, कार्यालय के अनुविभागीय अधिकारी अजय शर्मा और अन्य कर्मचारी भी समय पर उपस्थित थे तहसीलदार कल्पना शर्मा की अनुशासित कार्यशैली के परिणामस्वरूप, अधीनस्थ कर्मचारियों को भी समय पर कार्यालय में उपस्थित होना आवश्यक हो गया है यह अनुशासन कार्यालय के कार्य घंटों को बढ़ाने में मदद कर रहा है, जिससे आम जनता को अधिक लाभ मिल रहा हैइस सकारात्मक बदलाव ने यह साबित कर दिया है कि यदि नेतृत्व में अनुशासन हो, तो पूरे विभाग में कार्य संस्कृति में सुधार संभव है। इस प्रयास की सराहना की जानी चाहिए, जो न केवल कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, बल्कि आम जनता के प्रति उनकी सेवाओं को भी बेहतर बना रहा है..!!!

घायल गौ वंश के ज़ख्म के कीड़े साफ कर किया प्राथमिक उपचार

लहार नगर के महुआ कालोनी में एक घायल गौवंश की जानकारी गौरक्षकों को लगी तो उन्होंने एकजुट होकर उक्त घायल गौ वंश के ज़ख्म के कीड़ों को अपने हाथों से साफ कर उसका प्राथमिक उपचार किया यहां वता दे की गौ रक्षकों की यह टीम डाक्टरों के भरोसे न रहकर खुद विमार घायल गायों का उपचार करती है इस टीम के गौरक्षक खुद के खर्चे से खरीद रहे दवाइयां और उपचार सामग्री,शाशन प्रशासन के जिम्मेदारों का तो कागजों और घोषणाओं में चल रहा गौमाता वचाओ अभियान,गौरक्षक शिबू भदौरिया, गुड्डू राजा, अंकुश राजावत,शीलू प्रजापति, उपेन्द्र कुमार,भोले विश्वकर्मा, अभिषेक नरवरिया,छोटू परमार आदि का रहा सराहनीय योगदान

दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आज द्वितीय दिन सम्पन्न

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रायरु डिपो में ट्रक ड्राइवर एवं हेल्परों हेतु स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफिस इंडिया की ग्वालियर ब्रांच एबं मध्य प्रदेश एड्स नियंत्रण समिति की लक्ष्यगत हस्तशेप परियोजना ग्वालियर द्वारा हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोराशन लिमिटेड रायरु डिपो पर का स्वास्थ्य शिविर का का आयोजन किया गया.कार्यक्रम मुख्य अथिति के रुप में डिपो मैनेजर श्रीमती अनीता जी उपस्थित थे उन्होने अपने उधवोदन में सभी शिविर के उद्देश्य एबं समय समय पर होने वाली नवीन गतिविधियों पर जानकारी दी एबं शिविर का शुभारंभ किया कार्यक्रम विशेष अथिति के रुप में डिपो के सेफ्टी अधिकारी श्री उमेश राजपूत जी उपस्थित थे उन्होंने सभी सेफ्टी के वारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य पर भी चर्चा कीकार्यक्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के कार्यक्रम अधिकारी श्री अचंद्र सिंह कुशवाह जी ने की साथ ही उन्होंने सभी को सुरक्षा, स्वास्थ्य एबं सफाई पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी साथ ही उन्होने संस्था के उद्देश्यों पर भी जानकारी दी.कार्यक्रम में विशेष अथिति के रुप में डिपो की और से निशि कठियार जी उपस्थित थी.उन्होने सभी को आँखो की देखवाल कैसे की जाये तथा उन्होंने संस्था के कार्यक्रमो के वारे में भी बताया...कार्यक्रम विशेष अथिति के रुप में नेत्र रोग नेत्र रोग विशेषज्ञ एबं शिवानी आई केयर के संचालक डॉ किशोर साक्य जी डॉ यश चान्सेरिया अमित , दंत रोग विशेषज्ञ, डॉ संदीप शर्मा एबं ड ,सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ पियूष गौड़ , , लेब तकनीशिययन श्री देव समोलिया जी उपस्थित थे शिविर में ई सी ड़ी डॉ अंशू भदौरिया जी द्वारा सभी लोगों का किया तथा कैंप को सफल बनाने में मुख्य योगदान दिया..कार्यक्रम में आरचीड़ परियोजना से कॉउंसलर अमन शर्मा मनीष शर्मा दीपमाला प्रजापति दीक्षा वर्मा, रंजना, अमन शर्मा आदि की मुख्य योगदान रहा कार्यक्रम को सफल बनाने में लक्ष्यगत हस्तशेप् परियोजना की पूरी टीम डॉ पीयूष गौड़ , जितेंद् शाक्य, कल्याण राघवंसी हेमंत कुशवाह आदि का मुख्य योगदान रहा कार्यक्रम के अंत में डिपो की और से सेफ्टी अधिकारी श्री उमेश सिंह राजपूत द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया.शिविर के माध्यम से पहले दिन कुल 140 लोंगो का स्वास्थ्य परिक्षण किया गया.

नवरात्रि महोत्सव 3 को , तैयारियां जोरों पर चल रही है जगह जगह सजेंगे माता रानी के दरबार

। साधना का नवरात्र महापर्व यू तो वर्ष भर में चार बार आता है दो बार गुप्त नवरात्रि के रूप में और दो बार सार्वजनिक रूप में।गुप्त रूप में माघ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से नवमी और आषाढ़ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से नवमी तक।चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से नवमी तक और आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से नवमी तक विशेष सार्वजनिक रूप में दुर्गा मां की साधना उत्साह पूर्वक की जाती है।वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन ने बताया कि इस बार की शारदीय नवरात्रि घट स्थापना 03 अक्टूबर दिन गुरुवार को है।घर स्थापना का विशेष मुहूर्त अमृत की चौघड़िया में प्रातः 06¬11 बजे से 07¬42 बजे तक ।शुभ की चौघड़िया में प्रातः 09¬12 बजे से 10¬43 बजे तक फिर अभिजित मुहूर्त में दोपहर 11¬49 बजे से 12¬37 बजे तक रहेगा।इस बार नवरात्रि के दिनो मे तृतीया तिथि की वृद्धि हुई है यह 05/06 अक्टूबर दिन शनिवार/रविवार दोनो दिन तिथि वृद्धि मान से रहेगी। उधर

महानवमी और दशहरा दोनो ही एक ही दिन 12 अक्टूबर शनिवार को मनाए जायेंगे।जैन ने कहा कि वैसे तो मां दुर्गा जी का वाहन सिंह माना गया है परंतु इस बार गुरुवार से शारदीय नवरात्रि घट स्थापना दिवस होने से दुर्गा जी का वाहन डोली रहेगा अर्थात डोली में बैठकर आयेंगी जब मां डोली में बैठ कर आती है तो पश्चिमी देशों के लिए अच्छा नहीं कही नए युद्ध की शुरुवात आने वाले महीनों में हो सकती है।भारत में भी प्राकृतिक आपदाएं और किसी रोग के फेलने का भय बना रहता है।शारदीय नवरात्रि को दुर्गा मां के भक्त बड़े पैमाने पर तैयारिया और उत्साह पूर्वक मनाते है। अनेक सामाजिक संस्थाएं द्वारा गर्वा डांडिया जैसे उत्सव का आयोजन चलता है मौसम की अंकूलता से मां के अनेक भक्त नो दिनो तक भी व्रत और उपवास रखकर मां की साधना भक्ति में लीन रहते हैं।

किस दिन मां के किस रूप की होगी पूजा –

03 अक्टूबर गुरुवार पहले दिन मां शैल पुत्री

04 अक्टूबर शुक्रवार दूसरे दिन मां ब्रह्मचारणी

05 अक्टूबर शनिवार तीसरे दिन मां चंद्रघंटा

06 अक्टूबर रविवार मां कुष्मांडा

07 अक्टूबर सोमवार मां स्कंधमाता

08 अक्टूबर मंगलवार मां कात्यायनी

09 अक्टूबर बुधवार मां कालरात्रि

10 अक्टूबर गुरुवार मां सिद्धि दात्री

11 अक्टूबर शुक्रवार मां महागौरी

शरद नवरात्रि व्रत पारण

12 अक्टूबर शनिवार मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन इसी दिन दशहरा भी मनेगा।

श्रीमती सुमन दौहरे ने अपने पूज्य पिताजी की स्मृति में करवाया गो भंडारा

समाजसेवीका श्रीमती सुमन दौहरे ने अपने पिता स्वर्गीय श्री अतर सिंह दोहरे की पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में मां गायत्री गौरक्षा संगठन के माध्यम से गौ भंडारा करवाकर लहार नगर में विचरण करने वाली बेसहारा भुखी गायों को आटा मिक्स भुसा खिलवाकर अपने देवलोक वासी पूज्य पिता के आत्म कल्याण के लिए गौमाता से प्राथना की साथ ही श्रीमती सुमन दौहरे ने समाज के हर वर्ग से गौमाता की रक्षा सुरक्षा सेवा के लिए अपना यथासंभव योगदान देने की अपील भी की

भारत विश्व गुरु बनेगा जब भारत स्वच्छता की ओर बढ़ेगा

पोरसा स्वच्छता ही सेवा है पखवाड़ा के अंतर्गत 17 सितंबर से 1 अक्टूबर तक स्वच्छता रैली, स्वच्छता संवाद, अवशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशाला, स्रोत पर कचरा प्रथकिकरण ,श्रमदान ,एक पेड़ मां के नाम अभियान, सिग्नल यूज प्लास्टिक ड्राइव , आदि गतिविधियों की जानी है जिसके अंतर्गत आज ग्राम नंद का पूरा में बाइक रैली निकालकर स्वच्छता का संदेश दिया यह रैली पंचायत के सभी मजरों टोलों में जाकर स्वच्छता की शपथ एवं स्वच्छता संवाद किया जाएगा जिससे गांव से लेकर संपूर्ण भारतओ . डी.एफ के बाद ओ . डी.एफ प्लस बनाया जाना है जब भारत स्वच्छता की ओर बढ़ेगा तब भारत विश्व गुरु बनेगा यह बात स्वच्छता ग्राही विजयपाल सिंह तोमर ने एक बाइक रैली में कह रहे थे यह गतिविधियां जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी इच्छित गड़पाले के आदेश अनुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी पोरसा के देवेंद्र जैन के दिशा निर्देशन में एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की ब्लॉक समन्वयक में सुमन लता सिकरवार के मार्गदर्शन में की जा रही हैं।

समाज परिवर्तन में हम सब की महत्वपूर्ण भूमिका है डॉ दिनेश सिंह

ग्राम विकास गतिविधिद्वारा मुरैना विभाग की ग्राम समितियां का सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में अखिल भारतीय अधिकारी ग्राम विकास गतिविधि के अखिल भारतीय पालक माननीय डॉक्टर दिनेश सिंह जी के द्वारा आलमपुर जिला लहार के दो दिवसीय वर्ग में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण के दौरान अपने उद्बोधन में कहा कि प्रत्येक स्वयंसेवक की निरंतर सक्रियता रखने के लिए समाज परिवर्तन का कार्य आवश्यक है यह कार्य समाज से संचालित विभिन्न संगठनों द्वारा भी किये जा रहे हैं समाज परिवर्तन के कार्य के लिए धार्मिक शक्ति, मातृशक्ति ,सज्जन शक्ति एवं युवा शक्ति को अपने ग्राम में कार्य प्रारंभ करने चाहिए जिसका केंद्र गांव का देवालय, विद्यालय और संगठन की शाखा हो। अपने गांव में जीव जंतु संपदा,जल संपदा, गुण संपदा और वन संपदा गोवंश संपदा ऊर्जा संपदा और जन संपदा के लिए कार्य करना चाहिए डॉ दिनेश जी ने ग्राम विकास के साथ ग्राम

विकास के 7आयाम पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं की समझदारी को बढ़ाने का आग्रह किया एवं कार्यकर्ताओं के लिए कल्पक, योजक और संगठक ऐसे तीन बातों का ध्यान रखते हुए समझदारी से छोटी-छोटी बातों को देखना स्वदेशी का विचार लाना और कार्यकर्ता में समझदारी बढ़नी चाहिए ।समय का समर्पण हो इस प्रकार का कार्यकर्ताओं से आग्रह किया ।एवं अपने ग्राम का उत्सव हो, एवं इसी प्रकार के कार्यशालाएं प्रत्येक माह हो ,तो हम ग्राम विकास के कार्य को ठीक से कर सकते हैं। ग्राम विकास के कार्य से संस्कार युक्त भारत का निर्माण होगा और आर्थिक संपन्न भारत बनेगा स्वावलंबी भारत बनेगा। इस प्रशिक्षण वर्ग में मुरैना विभाग से 100से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित हुए। बैठक में वर्ग में 50ग्राम समिति से लेकर विभाग तक के दायित्ववान कार्यकर्ता की सहभागिता रही। एवं कार्यकर्ताओं ने 1 वर्ष में ग्राम विकास के कार्य को तीन गुना गति देने का संकल्प लिया।

श्योपुर ब्यूरो कमल अग्रवाल इमरजेंसी में भाजयुमो जिलाध्यक्ष मोनू सरजनवाल किया रक्तदान

आज श्योपुर जिला चिकित्सालल में भर्ती गोरस निवासी महिला मूर्ति मारू के इमरजेंसी में डिलेवरी हेतु एबी पोजिटिव ब्लड कि आवश्यकता पड़ने पर भाजयुमो जिला अध्यक्ष श्योपुर मनोज सरजनवाल द्वारा जिला चिकित्सालय पहुंचकर रक्तदान किया उन्होंने बताया विज्ञान ने अभी तक चांद से लेकर मंगल यान तक तरक्की कर ली लेकिन रक्त का ऑप्शन अभी तक नहीं बना है रक्त सिर्फ मानव शरीर में बन सकता है किसी जरूरमंद को आवश्यकता पड़ती है तो तत्काल जिनके तीन महीने

पूरे हो गए हैं रक्तदान किये हुए वह रक्तदान आवश्यक रूप से आकर करें ताकि जरूरतमंदो कि मददत हो नियमित रक्तदान करने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है जिससे बीमारियों से हमारा शरीर बच जाता है इस नेक कार्य लिए भाजयुमो जिलाध्यक्ष को सिविल सर्जन डॉ आरबी गोयल जी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया इसके साथ ही सपना आदिवासी सुपुत्री चतर्भुज आदिवासी निवासी जानपुरा के लिए क्व पॉजिटिव ब्लड की आवश्यकता प?ने पर स्वैच्छिक रूप से प्रेरित होकर गोरस निवासी भरत मारु द्वारा पहली बार रक्तदान किया जिन्हें भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया इस दौरान ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. योगेन्द्र भदोरिया, भाजयुमो जिला महामंत्री संजय मंगल, जिला उपाध्यक्ष राजबहादुर सिंह मारु, राहुल चौधरी, सुधीर मारु, कुबेर दीक्षित आदि मौजूद थे

व्यवहारिक जीवन में अग्रसर होने के लिए वैज्ञानिक सोच का होना अत्यंत आवश्यक है

प्रतिभाशाली छात्रों को बीआरसीसी ने किया सम्मानित

विज्ञान मेले में प्रदेश में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त कर ज़िले को किया गौरवांवित

भितरवार। ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को अवसर मिला और उन्होंने उस अवसर को ऐतिहासिक बना दिया और राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में प्रथम स्थान प्राप्त कर नगर को गौरवांवित करने वाले छात्रों को बीआरसीसी नरहरि मिश्रा ने पुरुस्कृत किया गया।बीआरसीसी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्य स्तरीय विज्ञान, गणित एवं पर्यावरण प्रदर्शनी में विशाल बाथम कक्षा 9 शासकीय सीएम राइज विद्यालय के छात्र ने संचार और परिवहन विषय के अंतर्गत गैस वेल्डिंग की प्रदर्शनी में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर भितरवार क्षेत्र का नाम रोशन किया था साथ ही कक्षा आठवीं के छात्र करन कुशवाह कक्षा 8 शासकीय माध्यमिक विद्यालय पचौरा संचार और परिवहन के अंतर्गत (रेल) राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर भितरवार अंचल को गौरवान्वित करने का कार्य किया था कृष्णकांत यादव कक्षा 9 पर्यावरण और कृषि के क्षेत्र में राज्य स्तर पर अपनी भागीदारी कर क्षेत्र का नाम ऊंचा करने का कार्य किया था इन छात्रों का सम्मान किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीआरसीसी नरहरि मिश्रा ने बच्चों को सम्मानित करते हुए कहा कि विज्ञान मेले में भितरवार के सभी विधार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। सभी विषयों पर शिक्षकों के मार्गदर्शन के कारण ही विद्यार्थियों का विकास संभव हुआ है,यह अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि व्यवहारिक जीवन में अग्रसर होने के लिए वैज्ञानिक सोच का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बच्चों से कहा कि हमें चुनौतियों से घबराना नहीं चाहिए बल्कि उनका सामना करना चाहिए अगर हम पूर्ण मनोयोग से प्रयास करते रहेंगे तो एक दिन निश्चित रूप से सफल होंगे यह साबित कर दिखा दिया आपने उन्होंने कहा कि विज्ञान मेले में जिन विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त कर प्रदेश स्तर तक पहुंचना अत्यंत गर्व की बात है उन्होंने कहा कि मेले में बच्चों का प्रस्तुतीकरण अत्यन्त आकर्षक और ज्ञानवर्धक रहा है।विद्यार्थी जीवन की कठिनाईयों से उभरकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण को उजागर करने का ध्येय विज्ञान प्रदर्शनी ने पूरा किया उन्होंने कहा कि इन छात्रों के प्रयास और सफलता से दूसरे छात्र भी इनसे प्रेरणा ले सकेंगे।उन्होंने बच्चों से अपने प्रयास एवं नवाचार से विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने की बात कहीं इस मौके पर बीएसी राजीव गुप्ता,भारत भूषण जोशी सहित सीएम राइज विद्यालय के शिक्षक बीआरसीसी कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

राजरंग

खट्टर सबके निशाने पर

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की कमान एक तरह से पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने संभाली है। टिकट बंटवारे में सबसे ज्यादा उनकी चली और उन्होंने ही इनेलो, जजपा, कांग्रेस आदि के नेताओं को पार्टी में शामिल करा कर टिकट दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वे सबसे ज्यादा प्रचार भी कर रहे हैं। इन सब कारणों से वे सबसे निशाने पर भी हैं। विपक्षी पार्टी खास कर कांग्रेस तो उनको निशाना बना कर लड़ ही रही है। उसका कहना है कि भाजपा ने खट्टर को जितनी ज्यादा तरजीह दी है उससे उनके खिलाफ जो एंटी इन्कम्बेंसी थी वह कायम रह गई है। यानी खट्टर की सक्रियता से नायब सिंह सैनी का दांव बहुत कारगर नहीं हो रहा है। हालांकि फिर भी पिछड़ी जातियों के वोट भाजपा को मिलेंगे।

इस बीच खट्टर ने एक दिन कांग्रेस की कुमारी शैलजा को पार्टी में शामिल करने का न्योता दे दिया। जिस समय शैलजा नाराज होकर बैठी थीं उस समय दलित मतदाताओं को मैसेज देने के लिए खट्टर ने शैलजा को न्योता दिया। लेकिन एक दिन बाद ही शैलजा ने मीडिया के सामने खट्टर पर खूब हमला बोला और कहा कि वे अपने पिता की तरह कांग्रेस के तिरंगे में लिपट कर ही जाएंगी। उन्होंने साफ कर दिया कि वे कांग्रेस नहीं छोड़ रही हैं। इससे कांग्रेस को फायदा हुआ और भाजपा की किरकिरी हो गई। इसके बाद एक दिन खट्टर की सभा में एक युवक ने कह दिया कि हरियाणा में भाजपा जीत जाएगी लेकिन हिसार में उसका विधायक नहीं होगा। इस पर खट्टर इतने भड़क गए कि उस युवक को सभ से बाहर निकलवा दिया। इसका वीडियो वायरल होने से भी भाजपा बैकफुट पर है।

हिमाचल के नैरेटिव से परेशान कांग्रेस

भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार नहीं गिरा पाई। उसका ऑपरेशन लोटस विफल हो गया लेकिन लगातार प्रयास से उसने ऐसा नैरेटिव खड़ा कर दिया है, जिसके जाल में कांग्रेस उलझ गए है। वह हिमाचल प्रदेश में अपने को बचाने के प्रयास कर रही है लेकिन उसका पूरे देश में उसको नुकसान हो सकता है। तभी बताया जा रहा है कि कांग्रेस के शीर्ष नेता हिमाचल प्रदेश के घटनाक्रम को लेकर परेशान हैं। अभी सोनिया गांधी का पूरा परिवार हिमाचल में था। प्रियंका गांधी वाड्रा के घर पर सोनिया गांधी छुट्टी मना रही थीं और राहुल भी वहां पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि वहां हिमाचल की स्थिति पर चर्चा हुई और इस बारे में प्रदेश के नेताओं से बातचीत की गई है।

कांग्रेस सरकार की मुश्किल यह है कि राज्य में जहां तहां बन रही अवैध मस्जिदों की वह अनदेखी नहीं कर सकती है क्योंकि भाजपा के साथ साथ विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की शह पर स्थानीय लोग ऐसी मस्जिदों के खिलाफ सड़क पर उतर रहे हैं। शिमला और मंडी के बाद कुछ और जगहों पर लोगों ने मस्जिदों और खासतौर पर उसमें हो रहे अवैध निर्माण का विरोध किया। अचानक बाहरी लोगों के खिलाफ माहौल बनना शुरू हो गया। कहा जाने लगा कि उत्तर प्रदेश से आकर मुस्लिम हिमाचल में बस रहे हैं और मस्जिद बना रहे हैं। शिमला और मंडी के आंदोलन के बाद कांग्रेस सरकार बेकफुट पर थी और तभी उसने उत्तर प्रदेश सरकार की तर्ज पर खाने पीने की दुकानों पर दुकानदार के नाम लिखने का आदेश दिया।

यह नैरेटिव को बदलने की कोशिश है। कांग्रेस सरकार को लगा कि इससे वह मस्जिद वाले मामले के बरक्स नया नैरेटिव खड़ा कर देगी। हिंदुओं में मैसेज जाएगा कि सरकार तुष्टिकरण की नीति पर नहीं चल रही है। लेकिन मस्जिदों के अवैध निर्माण, बाहरी लोगों के राज्य में आने और कारोबार करने और खाने पीने की दुकानों पर दुकानदार का नाम लिखने के आदेश से जो नैरेटिव बना है कांग्रेस को उस पर पूरे देश में जवाब देना पड़ रहा है। हिमाचल के पीडब्लुडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने मीडिया के सामने इन मुद्दों पर जो बयान दिया और नाम लिखने के फैसले की जानकारी दी उससे बात दूर तक गई। उनका वीडियो सोशल मीडिया में खूब वायरल हुआ।

इसके बाद सोशल मीडिया में सक्रिय सच्चे झूठे मुस्लिम अकाउंट्स से कांग्रेस के खिलाफ अभियान शुरू हो गया। कांग्रेस को भी भाजपा के जैसा बताया जाने लगा। कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम इस नैरेटिव को कंट्रोल करने या इसकी दिशा बदलने में लगी है लेकिन कामयाबी नहीं मिल रही है। इसका पहला असर जम्मू कश्मीर में देखने को मिला है, जहां नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सलाह दी है कि वे जम्मू पर ध्यान केंद्रित करें और कश्मीर घाटी की चिंता छोड़ दें। माना जा रहा है कि जम्मू क्षेत्र में कांग्रेस ज्यादा सीट लड़ रही है इसलिए उमर ने ऐसा कहा लेकिन असली कारण यह है कि हिमाचल प्रकरण से कांग्रेस की साख बिगड़ी है और कांग्रेस के ज्यादा सक्रिय होने से जमात समर्थित कट्टरपंथी उम्मीदवारों को फायदा हो सकता है।

नीतीश की पार्टी में गुटबाजी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उम्र और सेहत को लेकर कई महीनों से चर्चा चल रही है और अलग अलग घटनाओं से इन चर्चाओं की सचाई भी सामने आती है। कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार अब बहुत सक्रिय नहीं हैं। पार्टी के नेता और उनके करीबी अधिकारी नियंत्रित वातावरण में उनको कहीं कहीं ले जा रहे हैं और जनता को यह मैसेज दे रहे हैं कि नीतीश सक्रिय हैं। लेकिन पार्टी के अंदर जिस तरह से गुटबाजी बढ़ी है और नेता अनाप शनाप बयान देने लगे है उससे लग रहा है कि नीतीश की कमान ढीली हो गई है। उनके करीबी नेता और अधिकारी स्पष्ट रूप से तीन गुट में बंट गए हैं और तीनों गुटों के नेता अपनी अपनी राजनीति कर रहे हैं।

एक गुट पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा का है। वे केंद्रीय मंत्री नहीं बन पाने की वजह से नाराज हैं। लेकिन प्रदेश में उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सलाहकार और पूर्व आईएएस अधिकारी दीपक कुमार के साथ एक गुट बनाया है और कहा जा रहा है कि यह गुट सबसे शक्तिशाली है। एक दूसरा गुट नीतीश के करीबी रहे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री ललन सिंह का है। राज्य सरकार के मंत्री अशोक चौधरी इस गुट में हाल में शामिल हुए हैं। तीसरा गुट पूर्व आईएएस अधिकारी मनीष वर्मा का है, जिनको पिछले दिनों पार्टी में शामिल कराया गया और महासचिव बना कर बड़ी जिम्मेदारी दी गई। उनको नीतीश के उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा है। उनके साथ नीतीश के करीबी और भरोसेमंद नेता व राज्य सरकार के मंत्री विजय चौधरी जुड़े हैं।

माता वैष्णो देवी सीट भी उलझी

इस साल हुए लोकसभा चुनाव में वैसे तो भाजपा ने 63 सीटें गंवाई थीं लेकिन इसमें एक सीट की हार भाजपा के लिए सबसे ज्यादा तकलीफदेह रही। वह सीट थी फैजाबाद की। उत्तर प्रदेश की फैजाबाद लोकसभा सीट के तहत ही अयोध्या आता है, जहां इस साल 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भव्य राममंदिर का उद्घाटन किया था। उसके दम पर पार्टी पूरे देश में चुनाव जीतने की उम्मीद में थी लेकिन वह अयोध्या हार गई। इस बात का संसद में भी खूब मुद्दा बना और भाजपा के लल्लू सिंह को हराने वाले सपा के अवधेश प्रसाद को कांग्रेस व दूसरी विपक्षी पार्टियों ने ट्रॉफी की तरह पेश किया। इसी तरह जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए माता वैष्णो देवी सीट पर हो रही है।

असल में परिसीमन के तहत रियासी सीट से अलग करके माता वैष्णो देवी सीट का गठन किया। इस सीट पर भाजपा ने बलदेव राज शर्मा को चुनाव में उतारा है। लेकिन पारंपरिक रूप से माता वैष्णो देवी के मंदिर की देखरेख करने वाले बारीदार समुदाय भाजपा का विरोध कर रहा है। उन्होंने शाम सिंह को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में उतार दिया है। इस समुदाय का 15 हजार वोट है। बारीदार चाहते हैं कि श्राइन बोर्ड से लेकर मंदिर के देख रेख का काम उनको सौंपा जाए। अगर उनका वोट भाजपा के खिलाफ और उनके अपने उम्मीदवार को जाता है तो वह उम्मीदवार चुनाव जीत सकता है। इस सीट पर कांग्रेस ने भूपेंद्र सिंह को और पीडीपी ने प्रताप कृष्ण शर्मा को उतारा है।

हरियाणा में कांग्रेस, भाजपा दोनों में कलह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार, 25 सितंबर को सोनीपत के गोहाना में रैली करने पहुंचे तो उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कई बातें कहीं। उसमें एक बात यह थी कि कांग्रेस के अंदर इतना अंतर्कलह है कि अगर कांग्रेस सत्ता में आ गई तो वह हरियाणा के लोगों के लिए काम नहीं कर पाएगी। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा का नाम लिए बगैर इशारों में उनका जिक्र किया। असल में पिछले कई दिनों से कुमारी शैलजा प्रचार के लिए नहीं निकली थीं। वे विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहती थीं और यह भी चाहती थीं कि कांग्रेस आलाकमान सब कुछ भूपेंद्र सिंह हुड्डा के हाथ में न दे। इसी बीच किसी ने उनको लेकर जातिसूचक आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिसके बाद वे घर बैठ गईं। खैर अब वे मान गई हैं। दूसरी ओर भूपेंद्र हुड्डा के कभी बहुत करीब रहे राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने खुल कर कह दिया है कि वे सीएम पद के दावेदार हैं। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और वे खुद मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने सुरजेवाला के बयान और शैलजा की नाराजगी के हवाले कहा कि कांग्रेस में अंतर्कलह है। लेकिन भाजपा भी इससे बची हुई नहीं है। भाजपा में भी बहुत अंदरूनी खींचतान है। पार्टी के नेता मुख्यमंत्री पद के लिए खुल कर दावेदारी कर रहे हैं और भाजपा आलाकमान को सभाओं में इस पर सफाई देनी पड़ रही है। पिछले दिनों पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने ऐलान किया कि चुनाव के बाद वे अपनी वरिष्ठता के आधार पर मुख्यमंत्री पद की दावेदारी करेंगे। जिस दिन उन्होंने यह बात कही उसी दिन हरियाणा में भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नायब सिंह सैनी ही मुख्यमंत्री होंगे। आगे खुद अमित शाह ने एक सभा में कहा कि नायब सिंह सैनी के चेहरे पर पार्टी लड़ रही है और चुनाव के बाद वे ही सीएम होंगे। उधर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की दावेदारी भी खत्म नहीं हो रही है। वे भी अपने को सीएम दावेदार बता कर प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने अपनी बेटी आरती राव सहति कई समर्थकों को टिकट भी दिलवाई है ताकि चुनाव बाद जरुरत पड़ने पर दवाब बनाया जा सके। सो, टिकट बंटवारे में जो विवाद थे उनके अलावा अब भी दोनों पार्टियों सीएम पद की दावेदारी खुल कर हो रही है।

समाचार विश्लेषण

'लापता लेडीज' की एंट्री का विरोध क्यों?

फ़िल्म फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडिया ने इस साल आमिर ख़ान प्रोडक्शन की किरण राव निर्देशित 'लापता लेडीज' को भारत की ओर से ऑस्कर में भेजने की घोषणा की है।इस घोषणा के साथ ही विवाद शुरू हो गया। ऐसा कहा जा रहा है कि पायल कपाड़िया की फ़िल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' ज़्यादा बेहतर होती। इस साल भारत में निर्मित विभिन्न भाषाओं की 29 फ़िल्मों पर विचार किया गया। इनमें 'कल्कि 2898 एडी', 'एनिमल', 'चंदू चैंपियन', 'सैम बहादुर', 'केट्टूकल्ली', 'आर्टिकल 370' भी विचार के लिए आई थीं। फ़िल्म फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडिया की 13 सदस्यों की निर्णायक मंडली ने परस्पर सहमति से किरण राव की 'लापता लेडीज' को भेजने की सिफ़ारिश की। यह फ़िल्म पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की गई थी, लेकिन भारतीय दर्शकों के लिए ये इस साल एक मार्च को सिनेमाघर में रिलीज़ हुई। उसके ठीक 8 हफ़्तों के बाद यह फ़िल्म ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म नेटफ़्लिक्स पर आ गई।

इस साल भारत में निर्मित विभिन्न भाषाओं की 29 फ़िल्मों पर विचार किया गया। इनमें 'कल्कि 2898 एडी', 'एनिमल', 'चंदू चैंपियन', 'सैम बहादुर', 'केट्टूकल्ली', 'आर्टिकल 370' भी विचार के लिए आई थीं।

दावा किया जा रहा है कि नेटफ़्लिक्स पर यह सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली फ़िल्म हो गई है। भारत की 'लापता लेडीज़' के साथ 50-52 देशों की फ़िल्में इस श्रेणी में भेजी गई हैं। ऑस्कर एंट्री के लिए 'लापता लेडीज़' के चुने जाने के बाद निर्देशक किरण राव ने कहा यह पहचान हमारी पूरी टीम के अथक कार्य का साक्ष्य है। टीम के समर्पण और पैशन से यह कहानी जीवंत हुई। 'लापता लेडीज़' आज से 23 साल पहले 2001 की कहानी है। किरण राव ने किसी भी संभावित विवाद और आरोप से बचने के लिए 'निर्मल प्रदेश' नामक काल्पनिक राज्य की कहानी चुनी है। यह उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश नहीं है। फिर भी यह तय है कि पर्दे पर आया यह काल्पनिक प्रदेश (संभवतः बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश) हिंदी भाषी प्रदेश ही है, जिसे राजनीतिक लेखों और अध्ययन में 'बीमारू प्रदेश' तक कहा जाता है।

किरण राव ने इस निर्मल प्रदेश की सामाजिक धड़कन को पेश करते हुए समाज में सदियों से मौजूद पुरुष प्रधान सोच को उजागर किया है। फ़िल्म के लेखकों और निर्देशक ने पैनी दृष्टि से समाज में व्याप्त लैंगिक भेदभाव और रूढिगत परंपराओं की एक मामूली कहानी को दो महिला चरित्रों के ज़रिए ख़ूबसूरती से पेश किया है। हिंदी प्रदेश के गंवई-समाज के इन चरित्रों को प्रस्तुत करते हुए उन्होंने उन्हें उनकी कमज़ोरियों की वजह से हास्यास्पद (कॉमिकल) नहीं होने दिया है। अच्छी बात है कि फ़िल्म में कोई नारेबाज़ी नहीं है और ना ही आक्रामक स्त्रीवादी सोच का सहारा लिया गया है।

लेखक-निर्देशक ने परतदार हिंदी समाज में महिलाओं की स्थिति और संभावनाओं को संवेदनशील तरीक़े से रोज़मर्रा ज़िंदगी के मामूली प्रसंगों और घटनाओं से बुना है।

(साभार- बीबीसी हिंदी)

सरकारी अस्पतालों में नकली दवा रैकेट

टैल्कम पाउडर से बनी गोलियां

नागपुर ग्रामीण पुलिस ने नकली दवाओं के रैकेट का ख़ुलासा करते हुए बताया कि हरिद्वार के एक पशु चिकित्सालय की प्रयोगशाला में टैल्कम पाउडर और स्टार्च से एंटीबायोटिक्स बनाई गई थीं, जिनकी आपूर्ति उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के अस्पतालों सहित पूरे भारत में की गई.

महाराष्ट्र में नागपुर ग्रामीण पुलिस ने नकली दवाओं के एक रैकेट का खुलासा किया है जो सरकारी अस्पतालों को टैल्कम पाउडर और स्टार्च से बने नकली एंटीबायोटिक्स की आपूर्ति करता था.

टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, मामले की जांच के दौरान कई गिरफ्तारियां हुईं और खुलासा हुआ कि करोड़ों रुपये के लेनदेन के लिए हवाला चेनलों का इस्तेमाल किया गया था। ये नकली दवाएं भारत के विभिन्न राज्यों में वितरित की गईं।

मामले में 20 सितंबर को ग्रामीण पुलिस द्वारा दाखिल 1,200 पन्नों के आरोपपत्र में चौंकाने वाले तथ्यों के खुलासे हुए हैं। इसमें बताया गया है कि देश के कई सरकारी अस्पतालों में वितरित की गई एंटीबायोटिक दवाएं कुछ और नहीं बल्कि स्टार्च के साथ मिश्रित टैल्कम पाउडर थीं, जो हरिद्वार स्थित एक पशु चिकित्सालय की प्रयोगशाला में बनाई गई थीं।

पुलिस के अनुसार, सरकारी अस्पतालों को नकली दवाओं की आपूर्ति के अलावा रैकेटियर ने मुंबई से उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में करोड़ों रुपये ट्रांसफर करने के लिए हवाला चेनलों का भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया। नकली दवाइयां खरीदने के लिए यह राशि रैकेटियरों को ट्रांसफर की गई। फिर उन नकली दवाओं की आपूर्ति उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के अस्पतालों सहित पूरे भारत में की गई।

यह चौंकाने वाला मामला पिछले साल दिसंबर में सामने आया था, जब ड्रग इंस्पेक्टर नितिन भंडारकर ने पाया कि कलमेश्वर के ग्रामीण अस्पताल को सप्लाई की गई एंटीबायोटिक्स नकली थीं, जिसके बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के ड्रग इंस्पेक्टर ने पिछले साल कलमेश्वर पुलिस थाने में आपूर्तिकर्ता (सप्लायर) और वितरकों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इसके बाद सिविल सर्जन कार्यालय ने भी इन कंपनियों को ब्लेकलिस्ट कर दिया था। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, नागपुर ग्रामीण पुलिस की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आने के बाद रैकेट चलाने वालों के खिलाफ वर्धा, नांदेड़, ठाणे और महाराष्ट्र के अन्य स्थानों पर भी इसी तरह के मामले दर्ज किए गए थे।

मामले के जांचकर्ता सावनेर के एसडीपीओ आईपीएस अनिल म्हास्के ने बताया कि शुरुआत में हेमंत मुले के खिलाफ अपराध दर्ज किए गए थे, जिन्होंने नागपुर के सरकारी अस्पतालों को दवाइयों की आपूर्ति करने के लिए टेंडर में भाग लिया था। मुले के अलावा दो लोगों- मिहिर त्रिवेदी और विजय चोधरी के खिलाफ भी अपराध दर्ज किए गए हैं।

अख़बार के मुताबिक, चोधरी पहले से ही इसी तरह के एक अन्य धोखाधड़ी मामले में जेल में है। उसे ग्रामीण पुलिस ने हिरासत में लिया था. चोधरी से पूछताछ के बाद ग्रामीण पुलिस ने हरियाणा में एक अभियान चलाया, क्योंकि उसने नकली दवाओं के आपूर्तिकर्ता के रूप में गगनसिंह नामक व्यक्ति का नाम लिया था।

म्हास्के ने कहा कि चोधरी ने बाद में सहारनपुर के रॉबिन तनेजा उर्फ हिमांशु और रमन तनेजा का भी नाम लिया। उन्होंने विवरण देते हुए आगे कहा, 'तनेजा बंधुओं द्वारा अमित धीमान का नाम बताए जाने के बाद हम हरिद्वार पशु चिकित्सा प्रयोगशाला पहुंचे। धीमान उत्तराखंड एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद जेल में था। बाद में उसे हमारे मामले में भी गिरफ्तार किया गया.' उन्होंने कहा कि रैकेट चलाने वालों के बैंक विवरण और लेन-देन में करोड़ों रुपये के लेन-देन का पता चला है।

(साभार- दवायर)

बाजार में 25 प्रतिशत दवाएं नकली

जांच में 53 दवाओं के सैंपल फेल होने की खबर आने के बाद आम लोगों के मन में डर बैठ गया है कि वे जो दवाएं ले रहे हैं कहीं वे नकली तो नहीं हैं। उनका डर जायज भी है क्योंकि एक अध्ययन के मुताबिक देश में बिकने वाली करीब 25 फीसदी दवाएं नकली हैं। नकली होने से मतलब है कि फर्जी कंपनियों द्वारा नामी कंपनियों के लेबल की नकल कर इन दवाओं की बाजार में सप्लाई की जा रही है।

सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) की एक रिपोर्ट सामने आई है। जिसमें बताया गया है कि आम बुखार की दवा पैरासिटामोल सहित 53 दवाएं ऐसी हैं जिनके सैंपल लेब जांच में फेल हो गये। दवाओं के नाम पर सब-स्टैंडर्ड सॉल्ट बेचे जा रहे थे। इनमें पेनकिलर डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल दवा फ्लुकोनाजोल, विटामिन डी सप्लीमेंट, बीपी और डायबिटीज की दवा, एसिड रिफलक्स आदि शामिल हैं। सभी दवाएं नामी कंपनियों के लेबल में आई थीं। सीडीएससीओ ने जब संबंधित कंपनियों से स्पष्टीकरण मांगा तो कंपनियों ने कहा कि लेबल पर जो बेच लिखा हुआ है उसका निर्माण उनके द्वारा नहीं किया गया है, यानी उनके नाम पर कोई फर्जी कंपनी नकली दवा बाजार में सप्लाई कर रही है।

उद्योग संगठन एसोचेम की 2022 में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू बाजार में उपलब्ध एक-चौथाई दवा नकली है।

फेक एंड काउंटरफीट ड्रग्स इन इंडिया - बूमिंग बिज नामक इस रिपोर्ट के अनुसार, देश में दवाइयों के बाजार का आकार 14-17 अरब डॉलर है जिसमें करीब 4.25 अरब डॉलर की दवाएं नकली या सब स्टेंडर्ड हैं।

इतना ही नहीं, रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में नकली दवाओं का कारोबार सलाना 33 प्रतिशत की औसत दर से बढ़ रहा है। यह 2005 में 67.85 करोड़ डॉलर (30 अरब रुपये) से बढ़कर 2020 में 40 अरब रुपये पर पहुंच गया।

रिपोर्ट में यह बताया गया था कि सरकारी अस्पतालों में सबसे ज्यादा 38 प्रतिशत दवाएं नकली पाई गई थीं।

ध्यान से देखने पर भी ये नकली दवाएं बिल्कुल असली जैसी ही लगती हैं, लेकिन अधिकतर मामलों में लेबलिंग में कुछ न कुछ कमियां होती हैं, जिससे इनकी पहचान की जा सकती है। यदि आपने पहले यह दवा इस्तेमाल की हुई है तो पुरानी और नई पैकेजिंग की तुलना कर अंतर जानने का प्रयास कर सकते हैं। कई मामलों में नकली दवाओं के लेबलिंग में स्पेलिंग या व्याकरण संबंधी गलतियां होती हैं जो असली दवाओं के मामले में नहीं होती हैं।

केंद्र सरकार ने शीर्ष 300 ब्रांडेड नाम से बिकने वाली दवाओं को नोटिफाई किया हुआ है। अगस्त 2023 के बाद बनी इन सभी दवाओं की पैकेजिंग पर बारकोड या क्यूआर कोड होता है। उसे स्केन करते ही उसकी पूरी जानकारी सामने आ जाती है। नकली दवाओं के बारकोड या क्यूआर कोड को स्केन करने पर कोई रिस्पॉन्स नहीं मिलता है। दवाएं खरीदते समय जांच लें कि उनकी सीलिंग सही है और पैकेजिंग भी ठीक है।

-आईएएनएस

पेरिस फैशन वीक में सोनम ने दिखाया जलवा

अभिनेत्री सोनम कपूर हमेशा इंटरनेशनल फैशन वीक में अपने लुक के लिए जानी जाती हैं। इस बार उन्होंने पेरिस फैशन वीक 2024 में डायर स्प्रिंग-समर में ऐसा लुक बनाया कि वह अपने फैंस के बीच आकर्षण का केंद्र बन गईं। इसके लिए उन्होंने अपनी बहन रिया कपूर को श्रेय दिया है। उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर कर बताया कि उनकी बहन रिया ने उन्हें पूरी तरह से तैयार किया है। सोनम ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह इस शानदार कार्यक्रम के लिए सजती-संवरती नजर आ रही हैं। फैशन शो में सोनम ने अपने डार्क साइड को दिखाया, उन्होंने कोर्सेट के साथ एक काले रंग की सूती लंबी ड्रेस पहनी थी। इसके साथ ही उन्होंने पफ्ड स्लीव्स वाली एक बड़ी शर्ट पहनी थी, जिस पर गोल्ड बटन लगे थे।

उन्होंने अपने लुक को फ्लोरल क्रॉस-स्टिच कढ़ाई वाले काले ट्रेंच कोट के साथ पूरा किया। उन्होंने इस ड्रेस को घुटनों तक लम्बे काले चमड़े के जूतों और सेप्टम रिंग के साथ पहना। कैप्शन में उन्होंने लिखा, ₹पेरिस में वसंत ऋतु, डायर और मेरी बहन मेरे साथ - इससे बेहतर कुछ नहीं! @dior SS 2025 कलेक्शन के शानदार परिधान पहने हुए, जिसे सिर्फ़ और सिर्फ़ @rheakapoor ने बेहतरीन स्टाइल दिया है, जिनकी प्रतिभा मुझे हमेशा विस्मित करती है। अभिनेत्री ने फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली की सहायक निर्देशक के रूप में फिल्म ₹ब्लेकर से अपना करियर शुरू किया। उन्होंने 2007 में रणबीर कपूर के साथ रोमांटिक ड्रामा सांवरिया से कैमरे के सामने अपनी शुरुआत की। यह फिल्म फ्योदोर दोस्तोवस्की की 1848 की लघु कहानी 'व्हाइट नाइट्स' पर आधारित थी। अपने डेब्यू के बाद सोनम ने 'दिल्ली-6', 'आई हेट लव स्टोरीज', 'मौसम', 'रांझणा' और 'प्रेम रतन धन पायो' जैसी फिल्मों में काम किया। राम माधवानी द्वारा निर्देशित 2016 की बायोग्राफिकल फिल्म 'नीरजा' में उनके काम के बाद उन्हें प्रशंसा मिली। इसके बाद उन्हें 'पेडमेन', 'वीरे दी वेडिंग', 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा', 'संजू' और 'ब्लाइंड' जैसी फिल्मों में देखा गया।

(फोटोः एएनआई)

एयरलाइंस पर भड़कीं अभिनेत्री दिव्या दत्ता

'वीर-जारा', 'भाग मिल्खा भाग', 'बदलापुर' और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री दिव्या दत्ता को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 पर परेशानी का सामना करना पड़ा। अभिनेत्री ने तड़के अपने इंस्टाग्राम पर एयरपोर्ट से एक छोटा वीडियो शेयर किया। कैप्शन में उन्होंने लिखा कि उड़ान रद्द होने से उन्हेंप परेशानी का सामना करना पड़ा। एयरलाइंस ने पहले कोई सूचना नहीं दी। उन्होंने लिखा, इंडिगो 6ई को आज सुबह के एक खराब अनुभव कराने के लिए धन्यवाद। रद्द की गई उड़ान की कोई सूचना नहीं दी गई। मैं एक रद्द की गई उड़ान में चेक इन कर चुकी हूं। फ्लाइट की घोषणा गेट पर सुनाई देती है। सहायता के लिए कोई कर्मचारी नहीं है। बाहर निकलने के लिए गेट पर इंडिगो.6ई इंडिगो एयरवेज का कोई कर्मचारी मौजूद नहीं है और यहां यात्रियों के प्रति अभद्र व्यवहार किया गया।

(फोटोः एएनआई)

मेरा शूट प्रभावित हुआ और मैं बहुत परेशान हूं। वीडियो में प्रस्थान द्वार के पास कोई यात्री प्रतीक्षा करते हुए नहीं दिखा, इससे संदेह पैदा हुआ कि यह दिव्या की ओर से चूक थी, क्योंकि अगर कई यात्रियों को इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ता तो एयरपोर्ट पर बहुत हंगामा होता। दिव्या ने 1994 में फिल्म 'इश्क में जीना इश्क में मरना' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया और बाद में कई सहायक भूमिकाओं में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने 1999 की पंजाबी फिल्म 'शहीद-ए-मोहब्बत बूटा सिंह' में अपने सिख पति से अलग हुई मुस्लिम पत्नी जैनब की मुख्य भूमिका निभाकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। यह फिल्म 1947 के भारत विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित थी। यह बेहद ही हिट साबित हुई थी। हालांकि, यश चोपड़ा निर्देशित 'वीर-जारा' में शब्बो की भूमिका ने उन्हें पूरे देश में पहचान दिलाई और तब से वह किसी पहचान की मोहताज नहीं है। अभिनेत्री ने बायोपिक 'भाग मिल्खा भाग' में अपने काम के लिए खूब प्रशंसा बटोरी, जिसमें उन्होंने मिल्खा सिंह की बहन की भूमिका निभाई थी।

(फोटोः एएनआई)

सामंथा रूथ प्रभु ने दिखाया स्टाइलिश लुक

अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु अपनी जासूसी एक्शन सीरीज 'सिटाडेलः हनी बनी' की रिलीज को लेकर तैयार हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के लिए पेस्टल ग्रीन कलर की ड्रेस में अपनी एक शानदार फोटो शेयर की। इंस्टाग्राम पर सामंथा ने 'सिटाडेलः हनी बनी' के लिए एक शानदार प्रमोशनल लुक के साथ अपने 35.8 मिलियन फॉलोअर्स को खुश कर दिया। नेकलाइन पर एलिगेंट मेश डिटेलिंग वाले पेस्टल ग्रीन टॉप में सजी अभिनेत्री ने इसे मैचिंग ट्राउजर के साथ पेयर किया, जो बेहद ही स्टाइलिश पहनावा है। इस फोटोशूट के लिए सामंथा ने हल्केश मेकअप लुक को चुना, जो उनकी नेचुरल ब्यूटी को सामने ला रहा था।

निखिल आडवाणी ने शर्वरी की तारीफ की

(फोटोः एएनआई)

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्म निर्माता, पटकथा लेखक और निर्देश निखिल आडवाणी ने शर्वरी की तारीफ की है। निखिल आडवाणी ने शर्वरी की जमकर प्रशंसा की है, जिन्होंने उनकी नवीनतम फिल्म 'वेदा' में मुख्य भूमिका निभाई है। शर्वरी की तारीफ करते हुए निखिल आडवाणी ने कहा, मुझे हमेशा से लगा है कि शर्वरी में एक पीढ़ी में एक बार आने वाली अभिनेत्री बनने की क्षमता है। उनका अपने काम के प्रति समर्पण, जुनून और कैमरे के सामने अपनी 200 प्रतिशत देने की भूख ने मुझे हैरान कर दिया। करियर के इस शुरुआती दौर में आप यह कम ही देखते हैं।

देवानंद ने कड़े संघर्ष के बाद फिल्म इंडस्ट्री में विशिष्ट पहचान बनायी

लगभग छह दशक तक दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले अभिनेता-फिल्मकार देवानंद को फिल्म इंडस्ट्री में पहचान बनाने के लिये कड़ा संघर्ष करना पड़ा था। पंजाब के गुरदासपुर में एक मध्यम वर्गीय परिवार में 26 सितंबर 1923 को जन्मे धर्मदेव पिशोरीमल आनंद उर्फ देवानंद ने अंग्रेजी साहित्य में अपनी स्नातक की शिक्षा 1942 में लाहौर के मशहूर गवर्नमेंट कॉलेज से पूरी की। देवानंद इसके आगे भी पढ़ना चाहते थे लेकिन उनके पिता ने साफ शब्दों में कह दिया कि उनके पास उन्हें पढ़ाने के लिये पैसे नहीं है और यदि वह आगे पढ़ना चाहते है तो नौकरी कर लें। देवानंद ने निश्चय किया कि यदि नौकरी ही करनी है तो क्यों ना फिल्म इंडस्ट्री में किस्मत आजमाई जाए। वर्ष 1943 में अपने सपनों को साकार करने के लिये जब वह मुम्बई पहुंचे तब उनके पास मात्र 30 रुपये थे और रहने के लिये कोई ठिकाना नहीं था।

देवानंद ने यहां पहुंचकर रेलवे स्टेशन के समीप ही एक सस्ते से होटल में कमरा किराये पर लिया। उस कमरे में उनके साथ तीन अन्य लोग भी रहते थे जो देवानंद की तरह ही फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिये संघर्ष कर रहे थे।जब काफी दिन यूं ही गुजर गये तो देव आनंद ने सोचा कि यदि उन्हें मुंबई में रहना है तो जीवन यापन के लिये नौकरी करनी पड़ेगी चाहे वह कैसी भी नौकरी क्यों न हो। अथक प्रयास के बाद उन्हें मिलिट्री सेन्सर ऑफिस में लिपिक की नौकरी मिल गयी। यहां उन्हें सैनिकों की चिट्ठियों को उनके परिवार के लोगों को पढ़कर सुनाना होता था।

मिलिट्री सेन्सर ऑफिस में देव आनंद को 165 रुपये मासिक वेतन मिलना था जिसमें से 45 रुपये वह अपने परिवार के खर्च के लिये भेज देते थे। लगभग एक वर्ष तक मिलिट्री सेन्सर में नौकरी करने के बाद वह अपने बड़े भाई चेतन आनंद के पास चले गये जो उस समय भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) से जुड़े हुए थे। उन्होंने देव आनंद को भी अपने साथ इप्टा मे शामिल कर लिया। इस बीच देवानंद ने नाटकों में छोटे-मोटे रोल किये। वर्ष 1945 में प्रदर्शित फिल्म 'हम एक हैं'से बतौर अभिनेता देवानंद ने अपने सिने कॅरियर की शुरुआत की। वर्ष 1948 मे प्रदर्शित फिल्म 'जिद्दी' देव आनंद के फिल्मी कॅरियर की पहली हिट फिल्म साबित हुई।

इस फिल्म की कामयाबी के बाद उन्होंने फिल्म निर्माण के क्षेत्र मे कदम रख दिया और नवकेतन बैनर की स्थापना की। नवकेतन के बैनर तले देवानंद ने वर्ष 1950 में अपनी पहली फिल्म 'अफसर' का निर्माण किया जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी उन्होंने बड़े भाई चेतन आनंद को सौंपी। इसके बाद देवानंद ने अपने बैनर तले वर्ष 1951 में 'बाजी' बनाई।

बहुरंग

प्रीति जिंटा ने पोस्ट की दिल छू लेने वाली तस्वीर

(फोटोः एएनआई)

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने बुधवार को अपनी मां और एक प्यारे से छोटे खरगोश के साथ एक मनमोहक सेल्फी पोस्ट कर अपने प्रशंसकों का दिन बेहतरीन बना दिया। प्रीति ने अपनी मां और एक प्यारे खरगोश के साथ एक दिल को छू लेने वाली सेल्फी लेकर अपने 12 मिलियन इंस्टाग्राम फॉलोअर्स को खुश कर दिया। पेटिंग जू में मौज-मस्ती के दौरान ली गई इस तस्वीर को उन्होंने इस कैप्शन के साथ शेयर किया, ₹जब बच्चे इधर-उधर भाग रहे थे, तब मां और मैं इस छोटे खरगोश के साथ एक सेल्फी लेने में कामयाब रहे... पेटिंग जू में प्यार फैलाते हुए। #मॉम #वीकेंड टिंग।

उन्होंने आगे लिखा, यह पोस्ट परिवार के साथ बिताए जाने वाले समय की खुशी और उन छोटे-छोटे पलों को खूबसूरती से दिखाते हुए हमें एक साथ लाते हैं। निजी जीवन की बात करें तो अभिनेत्री ने 29 फरवरी 2016 को लॉस एंजिल्स में एक निजी समारोह में जीन गुडइनफ से शादी की। 2021 में, वे सरोगेसी के माध्यम से जुड़वा बच्चों को जन्म देकर माता-पिता बने। उनके बच्चों का नाम जय और जिया है। बता दें कि प्रीति ने 1998 में रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'दिल से...' में सहायक भूमिका के साथ अपने करियर की शुरुआत की।

झिलमिल

करोड़पति अर्जुन कपूर ने किया कुछ 'अनोखा'

(फोटोः एएनआई)

बॉलीवुड के 'इश्कजादे' अर्जुन कपूर ने अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदा है। ऑनलाइन एक तस्वीर खूब वायरल हो रही है, जिसमें 'गुंडे' फेम अभिनेता अपने कूल अवतार में ई-बाइक पर बैठे नजर आ रहे हैं। तस्वीर में ग्रे कलर स्कूटर को फूलों की माला से सजाया गया है, जिस पर अर्जुन ठाठ से बैठे मुस्कुराते नजर आ रहे हैं।

खबरों के मुताबिक, उन्होंने मुंबई के विले पार्ले स्थित अपने घर पर ई-बाइक की डिलीवरी ली है। अर्जुन ने बीगॉस आरयूवी 350 खरीदा है, जो भारत का पहला आरयूवी (मनोरंजन उपयोगिता वाहन) फुल मेटल बॉडी स्कूटर है, जिसकी कीमत करीब 1.10-1.35 लाख रुपये है। आरयूवी एक प्रकार का वाहन है, जिसे मनोरंजक गतिविधियों और व्यावहारिक, रोजमर्रा के उपयोग दोनों के लिए डिजाइन किया गया है, जो सड़क पर चलाने और आउटडोर रोमांच के लिए परफेक्ट है। इसे चलाना और पार्क करना भी आसान है। तस्वीरें और वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं, जिससे उनके चाहने वाले भी खुश हैं, क्योंकि करोड़ों की कारों के मालिक इस अभिनेता ने कुछ अनोखा किया है।

(फोटोः एएनआई)

आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म जिगरा' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी कर दिया गया है। आलिया भट्ट और वेदांग रैना अभिनीत फिल्म जिगरा एक एक्शन से भरपूर कहानी है, जो जेल से भागने के इर्द-गिर्द घूमती है,जिसमें दिखाया गया है कि एक बहन अपने भाई की रक्षा के लिए किस हद तक जा सकती है। आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के साथ ट्रेलर के लॉन्च की घोषणा करते हुए कहा, सब तैयार है? जिगरा थिएट्रिकल ट्रेलर अभी रिलीज़ हुआ! 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में मिलते हैं। ट्रेलर में आलिया भट्ट एक बहन (सत्या) की भूमिका निभाती नजर आ रही हैं जो अपने भाई अंकुर (वेदांग रैना) को बचाने के लिए दृढ संकल्पित है। जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, आलिया का किरदार और भी उभर कर आता है। एक बेहतरीन पल तब आता है जब आलिया यानी सत्या कहती हैं, ₹मैंने कभी नहीं कहा, मैं सही इंसान हूँ। मैं सिर्फ़ अंकुर की बहन हूँ। पिछले साल 'द आर्चीज़' में अपनी शुरुआत करने के बाद, फ़िल्म जिगरा, वेदांग रैना की दूसरी बार स्क्रीन पर आने वाली फ़िल्म है। फिल्म 'जिगरा' में एक आकर्षक 'चल कुड़िए' साउंडट्रैक भी शामिल है जिसे आलिया भट्ट और दिलजीत दोसांझ ने गाया है। क्लासिक गाने 'फूलों का तारों का' का रीक्रिएटेड वर्शन भी टीज़र में शामिल किया गया है, जिसमें वेदांग रैना की गायन प्रतिभा को दिखाया गया है।

न्यूज़ ट्रैक

बिहार के नवादा जिले में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लगभग 80 घरों को आग लगाकर फूंक दिये

जाने के विरोध में आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा के नेतृत्व में चामुंडा माता तिराहा कोटेश्वर मंदिर के पास सैकड़ो कांग्रेस जनों ने मिलकर बिहार सरकार का पुतला जलाया और दोषीयों पर कठोर कार्रवाई की मांग की और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इस्तीफा की मांग कीआज ग्वालियर विधानसभा के सैकड़ो कांग्रेस जन कोटेश्वर मंदिर के पास इकट्ठे हुए और वहां से जुलूस के रूप में बिहार सरकार के विरोध नारे लगाते हुए चामुंडा माता मंदिर विनय नगरतिराहे पर पहुंचकर बिहार सरकार का पुतला जलायापुतला दहन के पश्चात कार्यकर्ताओं को और आमजन को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा ने कहा कि भाजपा की मानसिकता शुरू से ही अनुसूचित जाति जनजाति विरोधी रही है उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान खत्म करके हमारे सभी अनुसूचित जाति एवं जनजाति भाइयों के अधिकारों को छीन लेना चाहती है उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में ही हमारे आदिवासियों के ऊपर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा पेशाब की जा रही है किस तरह से हमारे अनुसूचित जाति के भाइयों की दबंगों द्वारा गांव में घोड़ी पर बैठकर बरात नहीं निकलने दी जाती उन्होंने कहा कि आज ही मध्य प्रदेश में दबंगों द्वारा अनुसूचित जाति की एक छोटी सी बच्ची के साथ बलात्कार किया गया है और कानून व्यवस्था की यह हालत है की बच्ची की मां अपने गांव में अपनी बच्ची को लेकर दाखिल होने में डर रही है उन्होंने कहा कि जिस तरह से नीतीश कुमार के राज्य में हमारे अनुसूचित जाति और जनजाति भाइयों के ऊपर अत्याचार हुआ है भाजपा सरकार के प्रधानमंत्री और उनके सभी वरिष्ठ नेता मौंसक कर नीतीश कुमार सरकार के इस कृत्य का समर्थन कर रहे हैं उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी भारतीय जनता पार्टी के स्क्रैच की आलोचना करती है और उन्होंने कहा कि हमारे अनुसूचित जाति और जनजाति भाइयों पर अत्याचार कांग्रेस पार्टी नहीं होने देगी कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरकर इस कृति का विरोध करेगी किसी क्रम में आज हमने सरकार के विरोध में जुलूस निकालकर पुतला दहन किया है अगर दोषियों पर कार्रवाई और नीतीश सरकार को बर्खास्त नहीं किया जाता है तो कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरकर संघर्ष करती रहेगी कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष पिंटू राजपूत और आभार नवीन भदकारिया ने किया केशव सर पर ब्लॉक अध्यक्ष मुनेंद्र भदोरिया राजेश खान लक्ष्मी नारायण कुशवाहा पूर्व पार्षद राजू भदौरिया मनीष शर्मा रचना कुशवाहा धर्मवीर राठौर शकील मसूरी देवकी नंदन मुद्गल भानु कौशिक राहुल राय आशिक उस्मानी अजीत गोस्वामी राजेंद्र बाथम रामोतार शर्मा जगदीश जाटव मुकेश कुशवाहा विक्रम यादव धर्मेन्द्र यादव मोनू यादव नीलकमल मुद्गल रविंद्र सिंह यादव प्रदीप सिंह चौहान राहुल राय नितेश बाथम विजय दिवाकर बेतु खण्डेलवाल पंकज राजपूत संजय माहौर बलवीर राठौड़ मधुसूदन माहेश्वरी विक्रम यादव जगदीश बाजपेई रघुपत चौहान राजेश शर्मा मोंटी माझी संजय मांझी सिद्धार्थ मिश्रा विक्रम शर्मा सुरेश प्रजापति मानवेंद्र गुर्जर दीपक व्यास अर्जुन चंदेल राजेश बाथम सुरेश श्रीवास मोहित दीक्षित सुनील शर्मा विवेक पांडे अशोक श्रीवास बच्चू राठौर नील कमल मुद्गल ज़्यादान सिह राठौर हिमांशु राय संतोष राठौड़ सलीम खान सलमान खान प्रदीप मिश्रा राजेंद्र सिंह परिहार प धर्मेंद्र यादव सालीम भाई सोहिल खान लक्ष्मीकांत वाजपेई भानु शर्मा अंसार अली आशिक सलमान जगदीश जाटव राम सिंह तोमर सुनील गुप्ता राम तोमर मोनू रामसेवक गुर्जर आदि सैकड़ो कार्यकर्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे

हॉस्टल में टंकी से पानी भरते समय करंट लगने से 2 छात्रों की मौत, दो अधिकारी सस्पेंड

मध्य प्रदेश के धार जिले में सरकारी छात्रावास में करंट लगने से दो आदिवासी छात्रों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने बुधवार को छात्रावास के अधीक्षक और आदिवासी कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त को सस्पेंड कर दिया है और मामले की जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार रात को जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर रिंगनोद में राज्य अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित वरिष्ठ छात्र छात्रावास में हुई।सहायक आयुक्त बृजकांत शुक्ला ने बताया, ÷पानी की टंकी के पास बिजली का तार गिर गया। जब 17 वर्षीय विकास और आकाश टंकी से पानी लेने गए तो वे तार के संपर्क में आ गए। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाद में शुक्ला को निलंबित कर दिया गया। मध्य प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने अधिकारियों को मामले की गहन जांच करने और दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से सभी छात्रावासों में निवारक कार्रवाई करने को कहा है, ताकि ऐसी घटना दोबारा न हो।

29 को हिन्दू युवा सम्मेलन होगा, तैयारियां को लेकर बैठक आज

(27 को), हिंदू महासभा ने पीएम, बीसीसीआई को चेतावनी पत्र लिखा ,6 को लश्कर बंद,2 को युवाओं का स्टेडियम पर प्रदर्शन

ग्वालियर ।जिला हिन्दू महासभा ग्वालियर के जिला अध्यक्ष लोकेश शर्मा ने बताया कि 29 सितंबर को दोपहर ठीक 2-00 बजे, हिन्दू महासभा भवन, दौलतगंज, लश्कर पर हिन्दू युवा सम्मेलनअखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ जयवीर भारद्वाज जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में ग्वालियर में बांग्लादेश भारत क्रिकेट मैच का विरोध करने, 2 अक्टूबर को दोपहर 3-00 बजे से युवक हिन्दू महासभा ग्वालियर द्वारा शंकरपुर स्टेडियम पर विरोध प्रदर्शन की रूपरेखा तैयार करने, श्री गणेश विसर्जन पर श्री गणेश जी की प्रतिमाओं को अपमानित करने वालों पर कार्रवाई करने, पितृपक्ष में वीर सावरकर सरोवर पर पितरों को तर्पण करने से रोक कर ताला लगाने, नवरात्रि पर्व पर गरबा डांडिया नृत्य में किसी भी अन्य समुदाय को प्रवेश नहीं देने आधार कार्ड देखकर आयोजकों द्वारा प्रवेश देने, बांग्लादेश में जिहादियों

द्वारा हिन्दुओं की हत्याएं, बालात्कार, मकान तोड़ने, मंदिर तोड़ने वालों को दंडित करने विदेश नीति में बदलाव करने, अमेरिका में हिंदू मंदिर तोड़ने का विरोध कर आगामी आन्दोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। साथ ही युवक हिंदू महासभा का नवीन गठन किया जाएगा।भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ जयवीर भारद्वाज ने पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि विदेश नीति पर विचार कर हिन्दुओं को सुरक्षा प्रदान कराएं। बीसीसीआई के चेयरमैन श्री जय शाह को बांग्लादेश से मैच रद्द कर हिन्दुओं की भावनाओं को आहत होने से बचाएं। युवक हिन्दू महासभा के कार्यक्रम प्रभारी आनंद माहौर, राहुल गुप्ता, निहाल सिंह,भूपेंद्र नामदेव जी ने 29 सितंबर को होने वाले हिन्दू युवा सम्मेलन में प्रखर हिन्दू नेताओं को आमंत्रित किया है। ग्वालियर में बांग्लादेश क्रिकेट मैच के विरोध, तिरुपति बालाजी पर लड्डुओं प्रसाद में मिलावट करने वालों को फांसी देने, बांग्लादेश, अमेरिका में हिन्दू मंदिर तोड़ने वालो को फांसी दिए जाने की मांग को लेकर आगामी रविवार 6 अक्टूबर को दोपहर एक बजे तक ÷ लश्कर बंद ÷ को सफल बनाने की विस्तार से योजना बनेगी। 27 सितंबर को गेंडेवाली सड़क पर युवक हिन्दू महासभा की बैठक आनंद माहौर के निवास पर सायं काल 5-00 बजे हिन्दू महासभा के जिला अध्यक्ष लोकेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई है।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर करौली मंदिर नया बाजार से भव्य प्रभात फेरी 3 अक्टूबर को

ग्वालियर-ः अग्रवाल करौलीवालान पंचायत मंदिर श्री मदन मोहन जी महाराज नया बाजार स्थित से दिनांक 3 अक्टूबर 2024 को महाराजा अग्रसेन जो कि हमारे कुल प्रवर्तक है हमारे इष्ट हैं हमारे पूर्वज है उनकी जयंती के शुभ अवसर पर प्रातः 7ः00 बजे नया बाजार स्थित मंदिर के प्रांगण से प्रभात फेरी का आयोजन किया जा रहा है यह प्रभात फेरी मंदिर से प्रारंभ होकर नया बाजार, होते हुए दाल बाजार, दाल बाजार से इंदरगंज चौराहा लोहिया बाजार और वापस मंदिर पर आएगी।

पंचायत के महासचिवः सुनील अग्रवाल सनी, उत्सव मंत्रीः संजय अग्रवाल समस्त अग्रवाल बंधुओ से निवेदन करते हैं कि आपके द्वार, घर ,दुकान, संस्थान से निकलने पर भगवान श्री श्री 1008 अग्रसेन जी के ध्वज ,चित्र पर माल्यार्पण , फूल बरसाकर स्वागत वंदन करें, एवम प्रभात फेरी में सपरिवार उपस्थित रहकर अपने कुल प्रवर्तक के श्री चरणों में आस्था प्रकट करें

प्रभात फेरी का समापन मंदिर प्रांगण में महाराजा अग्रसेन जी की महाआरती, प्रसाद वितरण एवम स्वल्पाहार के साथ संपन्न होगा।

परामर्शदाता ओम प्रकाश अग्रवाल लल्ला, मोहनलाल अग्रवाल एमएलए, हरी बाबू गोयल,,ओमप्रकाश गर्ग, रामनाथ अग्रवाल,समीर अग्रवाल, सतीश गर्ग,
मनोज अग्रवाल बाबा जनरल,हितेंद्र अग्रवाल हीरा, महेश अग्रवाल
हर्ष अग्रवाल,अमर अग्रवाल,ताराचंद अग्रवाल,
मोहक अग्रवाल, चिराग अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, मयंक अग्रवाल दामू, अचल गोयल, अर्पित गोयल, महादेव प्रसाद मित्तल,मयूरेश अग्रवाल, गौरव अग्रवाल,आदि ने अग्रसेन जी की करौली मंदिर से निकलने बाली प्रभात फेरी के अपने अपने घर से स्वागत करने की अपील की हे

दिल्ली पुलिस और 2 चेन स्नैचर्स के बीच मुठभेड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को ख्याला इलाके में 2 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये दोनों चेन स्नैचर्स थे और महिलाओं के गहने लूटकर भाग जाते थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस के साथ मुठभेढ़ में दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी है और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाशों ने 21 सितंबर को चाकू की नोक पर दो महिलाओ से लूट की थी, जिसका वीडियो भी सामने आया था। आरोपियों के बारे में सूचना मिलने के बाद पुलिस ने ट्रैप बिछाया था और मुठभेड़ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। महिलाओं के साथ ये बदमाश लूट की वारदात को कैसे अंजाम देते थे, इसका वीडियो भी सामने आ गया है। एक वीडियो में बदमाश बाइक पर आते हुए नजर आ रहे हैं और इनके हाथ मे बड़ा चाकू है। वे महिला को पकड़कर उसका गला दबा देते हैं और चेन लूट लेते हैं। वहीं, दूसरे में ये बदमाश एक बुजुर्ग महिला को रोककर उसके कान के कुंडल लूटते नजर आ रहे हैं। दोनों ही वीडियो में नजर आ रहा है कि बदमाश तेजी से वारदात को अंजाम देते हैं और मौके से फरार हो जाते हैं। बदमाशों के पकड़ने के लिए पुलिस ने सिविल कपड़ों में अलग-अलग जगहों पर जाकर इन बदमाशों को ट्रेस करने की कोशिश की। आज सुबह पंजाबी बाग इलाके में पुलिस को दोनों बदमाश दिखाई दिए जिसके बाद इनका पीछा किया गया। पुलिस ने इनको रुकने के लिए कहा तो बदमाशों ने पुलिस के ऊपर ही फायर कर दिया। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए इन दोनों बदमाशों के ऊपर फायर किया, जिसमें दोनों बदमाशो को गोली लगी और वे घायल हो गए। बदमाशों को फिर इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। विकास और रमेश के ऊपर इन दोनों लूट की वारदातों के अलावा और भी कई मामले दर्ज है।

सड़कों की जर्जर स्थिति पर चेम्बर कार्यकारिणी की बैठक में व्यापारियों ने किया रोष व्यक्त

ग्वालियर । ग्वालियर शहर का एकमात्र ट्रांसपोर्ट नगर जहां पर शहर के लगभग 80-90 प्रतिशत कारोबारियों के गोडाउन हैं, वहां की सड़कें पिछले कई वर्ष से जर्जर हैं और वर्तमान में यहां की सड़क में काफी गहरे गड्ढे हो चुके हैं। ट्रांसपोर्ट नगर से शहर में माल लाने एवं ले जाने के लिए माल वाहक वाहन जाने में कतराते हैं और जैसे-तैसे जाने को राजी होते हैं तो वह तिगुना किराया लेते हैं। ट्रांसपोर्ट नगर की समस्या पर तत्कालीन मुख्यमंत्री जी से लेकर वर्तमान सांसद महोदय तक सड़कें ठीक कराने की बात कह चुके हैं परंतु स्थिति जस की तस बनी हुई है और व्यापारियों के लिए ट्रांसपोर्ट नगर ÷नरकक्ककके सामान हो चुका है। वहीं शहर की सड़कों की हालत भी बारिश के बाद जर्जर है, सड़कों पर चलने पर रीढ की हड्डी में लोगों के दर्द हो रहा है। यह बात आज आयोजित कार्यकारिणी समिति की बैठक में आये चेम्बर के विभिन्न यापारिक समूहों से प्रतिनिधित्व करने वाले व्यापारियों ने कही। अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, संयुक्त अध्यक्ष-हेमंत गुप्ता, उपाध्यक्ष-डॉ. राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-पवन कुमार अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष-संदीपनारायण अग्रवाल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया है कि ट्रांसपोर्ट नगर की सड़कें विगत 5 वर्ष पूर्व निर्मित हुई थीं, वह भी उच्च क्षमता की न होने से शीघ्र ही जर्जर हो गईं और विगत कई वर्ष से ट्रांसपोर्ट नगर की सड़कें खराब हैं और वहां आने वाले ट्रक एवं छोटे माल वाहक वाहन गड्ढों में गिरकर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। शहर का एकमात्र व्यापारिक केन्द्र ट्रांसपोर्ट नगर अपनी जर्जर अवस्था में है। इसके लिए मुख्यमंत्री कायाकल्प अभियान के तहत 18 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत हुई थी जिससे ट्रांसपोर्ट नगर की मुख्य सड़क का निर्माण हो पायेगा, यह भी कार्यवाही भी टेण्डर प्रक्रिया में है जबकि ट्रांसपोर्ट नगर जो कि जीडीए द्वारा बसाया गया था उसका क्षेत्र बरा, शंकरपुर तक फैल गया है। इन क्षेत्रों की सड़कों के निर्माण के लिए लगभग 200 करोड़ रूपये की राशि खर्च होना संभावित है। इसकी डीपीआर बनाकर यह कार्य केन्द्र सरकार के सहयोग से ही संभव हो पायेगा। इसके लिए चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा निरंतर जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर, कार्यवाही की मांग की गई परंतु अब तक तक इस पर ठोस प्रयास नहीं हुए हैं। चेम्बर ऑफ कॉमर्स की कार्यकारिणी समिति की बैठक में इस विषय पर चरणबद्ध आंदोलन करने की बात भी सदस्यों ने रोष व्यक्त करते हुए कही। वहीं इसके साथ ही सदस्यों ने शहर की सड़कों की जर्जर हालत से परेशानी का विषय भी रखा।

इसके साथ ही जयेन्द्रगंज में नगर निगम द्वारा रिलायंस डिजिटल शोरूम पर बिना नोटिस की गई कार्यवाही पर भी रोष व्यक्त किया गया क्योंकि शोरूम के मालिक व्यापारी श्री अजय मेहता द्वारा कोई अनियमितता इसमें नहीं की गई है। निगम की इस मनमानी कार्यवाही की बैठक में निंदा की गई। इसके साथ ही नापतौल निरीक्षक श्री सिंघानिया द्वारा व्यापारियों को बिना किसी कारण परेशान करने एवं उन पर झूठे प्रकरण बनाकर उनसे अवैध वसूली करने पर नापतौल निरीक्षक के खिलाफ शासन से कार्यवाही कराने पर चर्चा की गई। चेम्बर भवन के सामने लगने वाली मण्डी जो कि कोरोना काल के समय अस्थायी रूप से प्रारंभ की गई थी, उसे भी हटाने के लिए कार्यवाही तय की गई। चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि ट्रांसपोर्ट नगर सहित शहर की जर्जर सड़कों की बदहाल स्थिति को शीघ्र दुरूस्त कराया जाए एवं ट्रांसपोर्ट नगर में उच्च क्षमता व गुणवत्ता वाली सड़कों का निर्माण कराया जाए ताकि समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

व्यापारियों के खाते फ्रीज न किए जाएं जिससे उनका व्यापार ना हो प्रभावित

मध्यप्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को लिखा

ग्वालियर -/- किसी ठग द्वारा माल क्रय कर, यूपीआई से पेमेंट करने पर पुलिस द्वारा व्यापारी के खाते फ्रीज कर, व्यापार प्रभावित करने वाली कार्यवाहियों को रोके जाने जाने के संबंध में मध्यप्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के द्वारा केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को लिखा पत्र लिखा गया है। अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, संयुक्त अध्यक्ष-हेमंत गुप्ता, उपाध्यक्ष-डॉ. राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-पवन कुमार अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष-संदीपनारायण अग्रवाल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया है कि ऑनलाइन ठगी द्वारा हासिल की गई रकम से अगर कोई ठग, किसी व्यापारी के प्रतिष्ठान से खरीददारी कर, व्यापारी के खाते के माध्यम से भुगतान कर गया तो ऐसे व्यापारियों के खाते फ्रीज होने की घटनाएं ग्वालियर सहित मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों में सामने आई हैं।पदाधिकारियों ने पत्र में उल्लेख किया है कि ग्वालियर जिले के डबरा कस्बे में एक पेट्रोल पम्प व्यवसायी के पेट्रोल पम्प से एक ग्राहक द्वारा 2500/- रूपये का पेट्रोल अपनी गाड़ी में डलवाया और उसका भुगतान वह यूपीआई के माध्यम से व्यापारी के खाते में कर गया। गुजरात पुलिस द्वारा इस पेट्रोल पम्प व्यापारी के खाते को यह कहकर फ्रीज करवा गया कि यह 2500/- की रकम ठगी द्वारा हासिल कर, ट्रांसफर किये गये हैं। मात्र 2500/- रूपये की राशि के लिए व्यापारी के खाते में जमा 63 लाख रूपये फ्रीज कर दिये गये। वहीं एक प्रकरण ग्वालियर के व्यवसायी गगनदेव सिंहल जो डेयरी का व्यापार करते हैं उनका आईडीएफसी बैंक में खाता है, जिसमें 1,75,000/- रूपये से ज्यादा जमा हैं। उनके खाते में मात्र 75 रूपये का कोई गलत ट्रांजेक्शन हुआ है, उनका खाता 23.09.2024 को सील कर दिया गया है। यहां बहुत दयनीय परिस्थिति यह है कि श्री गगन देव सिंहल को माताजी की डायलिसिस करवाना पड़ती है और उसमें बहुत परेशानी आ रही है। पदाधिकारी के द्वारा कहा गया कि पुलिस द्वारा ठगी की घटनाओं को ट्रेस कर, रकम वसूली के लिए इस प्रकार से खाते फ्रीज किए जाने से व्यापार पर कुप्रभाव पड़ रहा है और व्यापारियों को अपने खाते अनफ्रीज करवाने में 4 माह तक का समय लग रहा है। पुलिस द्वारा खाते फ्रीज किए जाने की घटनाओं में वृद्धि होने से व्यापारी यूपीआई से पेमेंट लेने में संकोच करेंगे और इस प्रकार की कार्यवाहियां भारत की कैशलेस अर्थव्यवस्था को विकसित करने में अवरोधक बनेंगी। व्यापारिक संस्था के द्वारा पत्र के माध्यम से मांग की है कि किसी ठग द्वारा माल क्रय कर, यूपीआई से पेमेंट करने पर पुलिस द्वारा कारोबारियों के खाते फ्रीज कर, व्यापार प्रभावित करने वाली कार्यवाहियों को रोके जाने के संबंध में उचित दिशा-निर्देश प्रदान कर, इस समस्या के समाधान की त्वरित पहल की जाए।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478